16 जुलाई 2025
बुधवार

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

गंगा का रौद्र रूपः चार प्रखंडों में मंडराया बाढ़ का खतरा, अलर्ट मोड में प्रशासन

2

आतंकवाद पर बिना किसी समझौते के एससीओ को सख्त रुख अपनाना चाहिएः विदेश मंत्री

एजेंसी/नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को चीन की अपनी पांच साल में पहली यात्रा के दौरान आतंकवाद पर कड़ा संदेश दिया है। उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) परिषद की बैठक में जम्मू और कश्मीर में हुए आतंकी हमले का मुद्दा उठाया। विदेश मंत्री ने कहा कि वैश्विक व्यवस्था को स्थिर करने के लिए आपसी विश्वास पर आधारित क्षेत्रीय सहयोग की तत्काल आवश्यकता है। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद यह उनकी पहली चीन यात्रा है। उन्होंने सख्ती के साथ कहा कि सदस्य देशों को एससीओ के मूल उद्देश्यों के प्रति सच्चा रहना चाहिए।

♦ एससीओ परिषद की बैठक में विदेश मंत्री ने उठाया आतंकवाद का मुद्दा

आतंकवाद पर बिना किसी समझौते के सख्त रुख अपनाना चाहिए।

एस जयशंकर ने कहा कि पहलगाम में 22 अप्रैल को जो हमला हुआ, जिसमें 26 लोग मारे गए। यह हमला जानबूझ कर जम्मू और कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के लिए किया गया था। इसका मकसद धार्मिक विभाजन पैदा करना था। विदेश मंत्री ने एससीओ परिषद की बैठक में बोलते हुए कहा कि

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, जिसके कुछ सदस्य हम भी हैं, ने एक बयान जारी किया। इसमें हमले की कड़ी निंदा की गई। परिषद ने इस घृणित आतंकवादी कृत्य के अपराधियों, आयोजकों, फाइनेंसरों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और उन्हें न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

एससीओ की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ की गई : मंत्री ने कहा कि एससीओ की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद से लड़ने के लिए की गई थी। ये तीनों अक्सर एक साथ होते हैं। जयशंकर ने कहा कि यह जरूरी है कि एससीओ अपने मूल उद्देश्यों के प्रति सच्चा रहे। इस चुनौती पर बिना किसी समझौते के सख्त रुख अपनाए। जयशंकर ने यह भी कहा कि क्षेत्रीय सहयोग की तत्काल आवश्यकता है। यह आपसी विश्वास पर आधारित होना चाहिए। इससे वैश्विक व्यवस्था को स्थिर करने में मदद मिलेगी।

अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में काफी उथल-पुथल है: उन्होंने कहा कि हम एक ऐसे समय में मिल रहे हैं जब अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में काफी उथल-पुथल है। पिछले कुछ सालों में हमने ज्यादा संघर्ष, प्रतिस्पर्धा और दबाव देखा है। आर्थिक अस्थिरता भी बढ़ रही है। हमारे सामने चुनौती वैश्विक व्यवस्था को स्थिर करना, विभिन्न आयामों से जोखिम को कम करना और उन पुरानी चुनौतियों का समाधान करना है जो हमारे सामूहिक हितों को खतरे में डालती हैं। जयशंकर ने कहा कि दुनिया बहुध्रुवीयता की ओर बढ़ रही है। यह सिर्फ राष्ट्रीय क्षमताओं के पुनर्वितरण के मामले में ही नहीं है, बल्कि एससीओ जैसे प्रभावी समूहों के उभरने के मामले में भी है।

देशों में होड़ मची है और एक-दूसरे पर दबाव बनाया जा रहा है: उन्होंने कहा कि विश्व मामलों को आकार देने में हमारी क्षमता इस बात पर निर्भर करेगी कि हम एक साझा एजेंडे पर कितनी अच्छी तरह से एक साथ आते हैं। लड़ाई-झगड़ों की होड़ से आर्थिक स्थिति भी खराब हो रही है। इसलिए, हमें मिलकर काम करना होगा ताकि दुनिया में शांति बनी रहे।

विदेश मंत्री पूरी तरह से सर्कस चलाने गए हैं : राहुल गांधी

दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक बार फिर से विदेश मंत्री एस जयशंकर पर बुरी तरह भड़क गए हैं। इस बार उन्होंने एस जयशंकर को विदेश नीति को लेकर जमकर खरी-खोटी सुनाई है। दरअसल, चीनी राष्ट्रपति से विदेश मंत्री एस जयशंकर की मुलाकात के दौरान हुई बातचीत पर राहुल गांधी बुरी तरह नाराज हो गए। इसके बाद वे पूरी तरह हमलावार हो गए। राहुल गांधी ने कहा कि ऐसा लग रहा है कि विदेश मंत्री वहां ठोस संवाद नहीं बल्कि पूरी तरह से सर्कस चलाने गए हैं। जयशंकर भारत की विदेश नीति को नष्ट करने के उद्देश्य से काम कर रहे हैं। राहुल गांधी ने इसे पूरी तरह से तमाशा बताया। राहुल का मानना है कि इससे भारत की विदेश नीति को नुकसान हो रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि ऐसा लग रहा है जैसे विदेश मंत्री सर्कस चला रहे हैं। दरअसल, राहुल गांधी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर पर निशाना साधा। दरअसल, एस जयशंकर ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात के बाद उन्हें द्विपक्षीय संबंधों में हालिया डेवलपमेंट को लेकर अवगत कराया था। वहीं, एस जयशंकर ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री की ओर से शी जिनपिंग को शुभकामनाएं भी दी है।

सीएम नीतीश की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की हुई बैठक, कुल 30 प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

2025 से 2025 तक राज्य के एक करोड़ युवाओं को मिलेगी नौकरी और रोजगार

♦ बीएलओ व बीएलओ सुपरवाइजर को वार्षिक मानदेय के अलावा एकमुश्त मानदेय 6000 देने के लिए 51.684 करोड़ मंजूर

केटी न्यूज/पटना

सूबे में अगले पांच वर्षों में 2025-30 के दौरान एक करोड़ युवाओं को नौकरी और रोजगार मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई है। इसके लिए बकायदा नीति बनेगी और विकास आयुक्त की अध्यक्षता में नौकरी के विकल्प तलाशने और परामर्श के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। एक करोड़ नौकरी-रोजगार देने को लेकर विकास आयुक्त की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है। जिसमें विकास आयुक्त के अलावे 11 विभागों के सचिव

सदस्य होंगे। हालांकि एक करोड़ में कितनी संख्या में सरकारी नौकरी मिलेगी और कितने लोगों को रोजगार, यह साफ नहीं किया गया है।

राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 30 प्रस्ताव मंजूर किए गए। मंत्रिमंडल ने वित्त रहित शिक्षा नीति के तहत हाई स्कूल और उच्च माध्यमिक स्कूल के संचालन के लिए 3.94 अब रुपये की स्वीकृति दी है। इन विद्यालयों में फर्स्ट सेकंड और थर्ड आने वाले बच्चों के आधार पर यह राशि दी जाती है। मंत्रिमंडल ने टैक्स देने वाले वैसे व्यवसायों को जिनकी दुर्घटना में मृत्यु हो जाएगी उनके आश्रितों को बिहार व्यवसाय दुर्घटना मृत्यु अनुदान योजना के तहत पांच लाख रुपये देने के प्रस्ताव को स्वीकृत किया है। व्यक्तिगत टैक्स पेयर को यह लाभ मिलेगा। वहीं, मंत्रिमंडल ने बम निरोधक दस्ता के कर्मियों को अधिकतम 25000 मूल वेतन का 30 प्रतिशत प्रति माह जोखिम भत्ता देने का प्रस्ताव मंजूर किया है, जो हर महीने मिलेगा।

बीएलओ व बीएलओ सुपरवाइजर का बढ़ा मानदेय : इसके अलावा आज की बैठक में नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपलब्धता के लिए ऊर्जा भंडारण की एक नई नीति बिहार पंप भंडारण परियोजना प्रोत्साहन नीति 2025 के प्रारूप की स्वीकृति मिली है। इसके तहत एक लाख करोड़ रुपये निवेश होने की संभावना है। राज्य मंत्रिमंडल ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य हेतु 77895 बीएलओ और 8245 बीएलओ सुपरवाइजर को वार्षिक मानदेय के अतिरिक्त एकमुश्त मानदेय 6000 रुपये देने के लिए 51 करोड़ 68 लाख 40000 देने का प्रस्ताव मंजूर किए गए। वहीं, बैठक के दौरान स्वास्थ्य विभाग से जुड़े फैसलों पर भी मुहर लगाई गई है। लखीसराय में पोस्टेड डॉ. कृतिका सिंह, जमुई में तैनात डॉ. निमिषा रानी, लखीसराय में पोस्टेड डॉ. कृति किरण, बेगूसराय में पोस्टेड डॉ. चंदना कुमारी को लगातार अनुपस्थित रहने के कारण सरकारी सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।

पटना मेट्रो के मेंटेनेंस व अन्य खर्चों के लिए राशि स्वीकृत : पटना मेट्रो के तीन वर्षों के मेंटेनेंस के लिए 179 करोड़ में दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड को दिए गए हैं। साथ ही श्री कार सिंगल ट्रेन सेट को किराए पर लेने के लिए 21.15 करोड़ की मंजूरी दी गई। इसके अलावा मंत्रिमंडल ने केंद्र प्रायोजित अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन अमृत 2.0 के अंतर्गत दानापुर जलालपूर्ति परियोजना के लिए 99 करोड़ 99 लाख 63992 रुपये की स्वीकृति दी है। इसमें 117.72 किलोमीटर जल वितरण नेटवर्क विकसित किया जाएगा।

मुंगेर से सबौर के बीच गंगा पथ परियोजना स्वीकृत

राजधानी पटना में गंगा पथ के बाद अब गंगा किनारे के दूसरो शहरों में भी गंगा पथ बनाने का निर्णय लिया गया है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में इस प्रस्ताव को स्वीकृत किया गया है। मुंगेर से सबौर के बीच 83 किमी में गंगा पथ परियोजना की स्वीकृति दी गई है। इस परियोजना पर सरकार 9970 करोड़ रुपये खर्च करेगी। सुल्तानगंज-भागलपुर- सबौर (लंबाई 40.80 किमी) गंगा पथ परियोजना को हाइब्रिड एन्युटी मॉडल पर कराने की स्वीकृति दी गई है। इस पर कुल राशि चार हजार आठ सौ उनचास करोड़ तिरासी लाख रुपए खर्च होंगे। हाइब्रिड एन्युटी मॉडल के तहत क्रियान्वयन की स्वीकृति दी गई है। प्रस्तावित गंगा पथ परियोजना भागलपुर शहरी क्षेत्र में गंगा के किनारे वैकल्पिक बाईपास, शहरी क्षेत्र में वाहनों के बढ़ते दवाब के कारण जाम की समस्या के दृष्टिगत गंगा के किनारे वैकल्पिक गंगा पथ के निर्माण से आमजन का निर्बाध एवं सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी। मुंगेर (सफियाबाद)-बरियारपुर - घोरघट-सुल्तानगंज (कुल लंबाई 42.00 किमी) गंगा पथ परियोजना को हाइब्रिड एन्युटी मॉडल पर क्रियान्वित कराये जाने की स्वीकृति दी गई है। इस पर कुल राशि पांच हजार एक सौ उन्नीस करोड़ अस्सी लाख रुपए का खर्च आयेगा। कैबिनेट ने हाइब्रिड एन्युटी मॉडल के तहत क्रियान्वयन की स्वीकृति दी है।

भाजपा अध्यक्ष के चुनाव की कवायदें तेज, पार्टी ने राज्यों को भेजा संदेश

एजेंसी/नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी ने अब स्पष्ट किया है कि जल्द ही भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष का किया जाएगा। इस क्रम में अब कुछ ही प्रदेशों के अध्यक्ष तय होने बाकी हैं और राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए नामांकन का इंतजार है। भाजपा ने पिछले कुछ दिनों में तेजी से राज्यों के अध्यक्ष तय किए, ताकि पार्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 50 पर्सेंट से ज्यादा राज्यों में चुनाव का क्राइटीरिया पूरा कर लें। साथ ही यह चर्चा फिर से तेज हो गई है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के ऐलान के साथ ही केंद्र सरकार में भी बदलाव दिख सकता है।

भाजपा का नया राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा, इसके लिए कई कयास लगाए जा रहे हैं। जिसमें कई केंद्रीय मंत्रियों का नाम भी लिया जा रहा है। अगर किसी केंद्रीय मंत्री को राष्ट्रीय अध्यक्ष की जिम्मेदारी मिलती है तो उनकी जगह नए कैबिनेट मंत्री बनेंगे। बीजेपी में एक व्यक्ति एक पद का नियम है। हालांकि मौजूदा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा करीब एक साल से पार्टी के अध्यक्ष पद और केंद्रीय मंत्री दोनों पदों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत के 75 साल वाले बयान के बाद ये भी चर्चाएं चल रही हैं कि राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने में उम्र का भी ध्यान रखा जाएगा और इसकी संभावना जताई जा रही है कि 70 साल से कम उम्र के किसी नेता को ही यह जिम्मेदारी मिले। राष्ट्रीय अध्यक्ष का कार्यकाल तीन साल का होता है और अगले तीन साल में कौन कौन से चुनाव हैं, ये सब भी ध्यान में रखा जाएगा। साथ ही अगले लोकसभा चुनाव की तैयारियों के हिसाब से भी यह चयन होगा।

मोदी मंत्रिपरिषद में फेरबदल की भी चर्चा तेज: सांगठनिक चुनाव के साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट और मंत्रिपरिषद में फेरबदल की चचाएं भी चल रही हैं। माना जा रहा है कि चुनावी राज्यों से कुछ मंत्री बनाए जा सकते हैं। कुछ राज्य मंत्री बदले जा सकते हैं और कैबिनेट मंत्रियों को लेकर भी चर्चा है। राज्यसभा सांसद, जो मंत्री हैं उन्हें बदलने की चचाएं भी चल रही हैं। अगले कुछ महीनों में बिहार में विधानसभा चुनाव होने हैं। साथ ही अगले साल पश्चिम बंगाल, केरल, असम में भी विधानसभा चुनाव हैं। कैबिनेट फेरबदल में इन राज्यों को प्राथमिकता देने की बात कही जा रही है। बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष कौन होगा ये नामांकन के दिन पता चल जाएगा। पार्टी पहले नामांकन की तारीख का ऐलान करेगी।

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने बेगूसराय कोर्ट में किया आत्मसमर्पण, मिला जनानत

केटी न्यूज/पटना

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने आज बेगूसराय कोर्ट में आत्मसमर्पण किया, जहां उन्हें एक पुराने मुकदमे में जमानत मिल गई। यह मामला 24 अक्टूबर 2023 को समस्तीपुर जिले के सिंहिया में आयोजित एक सांस्कृतिक कार्यक्रम से जुड़ा है।

कार्यक्रम के आयोजक शिवेश मिश्रा ने आरोप लगाया था कि अक्षरा सिंह ने केवल आधा घंटा प्रस्तुति देने के बाद मंच छोड़ दिया और कथित रूप से माइक को क्षतिग्रस्त कर दिया। इसको लेकर उन्होंने अभिनेत्री पर धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए अदालत में परिवाद दाखिल किया था। मामले में न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी ओम प्रकाश ने अक्षरा सिंह और उनके पिता विपिन सिंह के खिलाफ समन जारी करते हुए कोर्ट में हाजिर होने का आदेश दिया था। इस मामले में अक्षरा सिंह पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 406 (गबन व विश्वासघात), 427 (संपत्ति को नुकसान पहुंचाना), 34 (सामूहिक आपराधिक मंशा) के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। फिलहाल कोर्ट ने सुनवाई के दौरान उन्हें जमानत दे दी है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

अच्छी खबरः एकीकृत भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली शुरू, रैयतों को ऑनलाइन मिलेगी पूरी जानकारी

केटी न्यूज/पटन

राज्य में डिजिटल भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन को एक नई दिशा देते हुए, सरकार ने मंगलवार को एकीकृत भूमि रिकॉर्ड प्रबंधन प्रणाली का शुभारंभ किया। इसमें स्थानिक म्यूटेशन पोर्टल भी शामिल है, ताकि भूमि लेनदेन और विरासत के दौरान राजस्व मानचित्रों और शीर्षक रिकॉर्ड को स्वचालित रूप से अपडेट किया जा सके। पोर्टल का उद्घाटन राज्य के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी ने पटना के सर्वेक्षण भवन में अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, सचिव जय सिंह और आईआईटी रुड़की के कमल जैन सहित वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया।

बिहार देश का पहला राज्य बन गया है जिसने स्थानिक परिवर्तन को क्रियान्वित किया है, तथा मानचित्र में मैन्युअल परिवर्तन की जगह स्वचालित, सटीक और पारदर्शी अद्यतन की प्रक्रिया अपनाई है। स्थानिक उत्परिवर्तन पोर्टल के अंतर्गत, खरीद, बिक्री या उत्तराधिकार से पहले उत्परिवर्तन-पूर्व रेखाचित्र (वास्तविक भूमि मानचित्र) तैयार किए जाएंगे, जिससे हस्तांतरित किए जाने वाले सटीक हिस्से के बारे में स्पष्टता सुनिश्चित होगी। खसरा (कृषि भूमि के विशिष्ट विवरण को दर्शाने के लिए भारत में प्रयुक्त भूमि अभिलेख दस्तावेज) के विभाजन की स्थिति में, सिस्टम स्वचालित रूप से नए खसरा नंबर तैयार कर देगा।

यूपी सरकार ने युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की नीति पर तेजी से शुरू किया काम

मुर्गी फार्म शुरू करने वालों को पांच वर्षों तक मिलेगी मुफ्त बिजली

एजेंसी/लखनऊ

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ने की नीति पर तेजी से काम शुरू किया है। इसके लिए कुक्कुट विकास नीति 2022 को लागू किया गया है। सरकार की योजना प्रदेश को अंडा उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने की है। साथ ही, मेरठ जिले के युवाओं को आत्मनिर्भर और व्यापार के प्रति उन्मुख बनाने के लिए इस योजना को गंभीरता से लागू किया गया है। इस योजना के तहत युवाओं को मुफ्त बिजली और

लोन की सुविधा मिलेगी। योजना का लाभ पाने के लिए पशुपालन विभाग में आवेदन करना होगा। इसके बाद यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) की ओर से योग्य आवेदकों को मुफ्त बिजली की सुविधा प्रदान की जाएगी।

मेरठ जिले में कुक्कुट विकास नीति 2022 को लागू किया गया है। युवाओं को व्यापार से जोड़ने की नीति के तहत इस योजना में आवेदन मांगे गए हैं। पशुपालन विभाग के अनुसार, मुर्गी फार्म शुरू करने वालों को पांच वर्षों तक मुफ्त बिजली कनेक्शन दिया जाएगा। इस अवधि में बिजली बिल भी नहीं देना होगा। योजना के तहत मुर्गी फार्म खोलने के लिए सरकार बैंक से लोन दिलवाएगी। इस पर सात प्रतिशत तक ब्याज का भुगतान सरकार खुद करेगी। अगर ब्याज इससे अधिक हुआ, तो वह अतिरिक्त राशि आवेदक को खुद देनी होगी।

मेरठ में तीन युवाओं ने दिखाई रुचि: मेरठ में अब तक तीन युवाओं ने इस योजना के तहत आवेदन किया है और उनके लोन की प्रक्रिया भी शुरू हो चुकी है। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप कुमार का कहना है कि अगर कोई व्यक्ति 10 हजार मुर्गियों का फार्म खोलना चाहता है तो इसका खर्च लगभग 99.53 लाख रुपये आएगा। इसमें से 70 लाख रुपये लोन के रूप में मिल जाएगा। 30 लाख रुपये स्वयं निवेश करना होगा।

महाकालेश्वर तुलसी सरोवर घाट पर हुआ भव्य गंगा महाआरती, शिवभक्ति में डूबा रघुनाथपुर

♦ सावन के प्रथम सोमवार पर देर शाम हुआ था आयोजन

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

पवित्र सावन माह की प्रथम सोमवारी के अवसर पर रघुनाथपुर के तुलसी स्थान स्थित महाकालेश्वर शिव मंदिर में शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। भक्तों ने पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव से भगवान महाकालेश्वर का जलाभिषेक किया। मंदिर परिसर दिनभर शिवनाम के जयघोष से गूंजता रहा और पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर महाकालेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति के तत्वावधान में मंदिर के समीप स्थित तुलसी सरोवर के तट पर अत्यंत भव्य एवं दिव्य गंगा महाआरती का आयोजन किया गया। यह आयोजन काशी के दशाश्वमेध घाट पर होने वाली महाआरती की तर्ज पर किया गया, जिसे देखने के लिए न सिर्फ स्थानीय ग्रामीण बल्कि आसपास के कई गांवों से शिवभक्त उमड़ पड़े। महाआरती की शुरूआत वैदिक पंडितों द्वारा मंत्रोच्चार और रुद्राभिषेक के साथ हुई। तत्पश्चात भगवान महाकाल का आकर्षक श्रृंगार किया गया और विशेष रूप से भस्म आरती की गई, जो शिव उपासना की एक विशिष्ट परंपरा मानी जाती है।

जैसे ही गंगा महाआरती आरंभ हुई, वातावरण दीपों की रोशनी, शंखनाद, घंटियों की ध्वनि और भक्तों के हर हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। आरती का दृश्य अत्यंत मनोहारी था, जिसमें तुलसी सरोवर की लहरों पर दीपों की झिलमिलाहट देखते ही बनती थी।इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मंदिर समिति के सदस्यों और स्थानीय युवाओं की भूमिका सराहनीय रही। मंदिर प्रबंधन समिति ने जानकारी दी कि सावन के प्रत्येक सोमवार को इसी प्रकार गंगा महाआरती का आयोजन किया जाएगा, जिससे शिवभक्तों को दिव्यता और भक्ति का अनुभव हो सके। इसके साथ ही आगामी विशेष आयोजन की भी घोषणा की गई। समिति के शैलेश ओझा ने बताया कि श्रावण मास के अंतिम सोमवार के दिन शिवरात्रि महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर रात्रि जागरण, भक्ति संगीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम और विशेष महाआरती आयोजित की जाएगी। आयोजन को भव्य और दिव्य स्वरूप देने की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। शिवभक्तों के अनुसार, इस प्रकार का आयोजन क्षेत्र में पहली बार हुआ है, जिससे धार्मिक वातावरण सघन हुआ है व लोगों की आस्था को नई ऊर्जा मिली है।

एक नजर

बक्सर में गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर राजनीतिक दलों से सहयोग की अपील

बक्सर। आगामी विशेष संक्षिप्त निर्वाचक नामावली पुनरीक्षण कार्यक्रम 2025 को सफल बनाने के उद्देश्य से मंगलवार एसडीओ कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सदर एसडीओ अविनाश कुमार ने की। बैठक में डीसीएलआर शशि भूषण, अवर निर्वाचक पदाधिकारी दिपांकर, चौसा बीडीओ अशोक कुमार, विभिन्न राजनीतिक दलों के जिला अध्यक्ष, सचिव, प्रखंड अध्यक्ष, सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के बीएलए उपस्थित रहे। बैठक में मुख्य रूप से मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण 2025 की प्रक्रिया को पारदर्शी, व्यापक और सफल बनाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया। एसडीओ अविनाश कुमार ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्र में नियुक्त बीएलओ को हरसंभव सहयोग प्रदान करें, ताकि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने एवं सुधारने की प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा न आए। बैठक के दौरान शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में भी गंभीर मंथन हुआ। अविनाश कुमार ने कहा कि शहरी मतदाताओं में मतदान के प्रति अपेक्षित जागरूकता नहीं है, जिसे सुधारने की आवश्यकता है। इसके लिए रणनीतिक ढंग से कार्य करने की जरूरत है।

बार-बार यौनाचार व अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी से डरी किशोरी ने खाई जहर,

बक्सर। एक किशोरी को गांव के ही एक युवक से प्रेम संबंध स्थापित हो गया। वह उसे शादी का झांसा दे पिछले चार महीने से यौनाचार कर रहा था। इस दौरान उसने धोखे से युवती का अश्लील वीडियो व वीडियो कॉलिंग पर बात की क्लीप बना लिया था तथा उसे वायरल करने की धमकी दे रहा था। वह किशोरी से बार-बार यौन संबंध बनाने की जिद कर रहा था। उसकी प्रताड़ना से तंग आ किशोरी ने पहले 11 जुलाई को जहर खा जान देने की असफल कोशिश की, लेकिन इसके बाद भी जब उसकी प्रताड़ना नहीं रूकी तो वह दुबारा 14 जुलाई को जहर खा ली। गंभीर अवस्था में बक्सर के एक निजी अस्पताल में उसका इलाज कराया गया तथा वहीं, पर स्वजनों के हिम्मत दिलाने पर उसने पुलिस के समक्ष अपना लिखित बयान दिया, जिसके बाद आरोपित के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। मामला ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के एक गांव का है। पुलिस को दिए आवेदन में पीड़िता ने जिक्र किया है कि उक्त युवक अमित यादव पिता महेश यादव से वह चार महीना पहले बातचीत करना शुरू की थी। शुरू में वह अपने भाई के मोबाईल से ही बात कर रही थी, लेकिन जब भाई का मोबाईल खराब हो गया तो वह उसे एक फोन खरीदकर दिया था। इस दौरान उसने कई बार उसका यौन शोषण भी किया तथा शादी करने से मुकर गया और परिवार को जान से मारने की धमकी तथा वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा। डुमरांव स्टेशन पर मुझे टेज्न में ही एक थप्पड़ मारने के साथ फिर से वीडियो वायरल करने की धमकी देने लगा।

सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने किया निरीक्षण

डुमरांव। मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान 2025 के तहत डुमरांव प्रखंड में चल रहे कार्यों की समीक्षा एवं निरीक्षण सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी ने की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न मतदान केंद्रों पर पहुंचकर गणना फॉर्म की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित बीएलओ एवं पर्यवेक्षकों से अद्यतन जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान एईआरओ ने बीएलओ को निर्देशित किया कि वे गणना कार्य में तेजी लाएं तथा निर्धारित समय सीमा के भीतर सटीक जानकारी सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि गणना फॉर्म का समुचित संग्रहण, उसकी ऑनलाइन अपलोडिंग और दस्तावेजों का सुरक्षित संग्रहण अत्यंत आवश्यक है। सभी बीएलओ को प्रतिदिन कार्य प्रतिवेदन तैयार कर पर्यवेक्षकों को देना होगा, ताकि पुनरीक्षण अभियान की निगरानी प्रभावी ढंग से की जा सके। उन्होंने पर्यवेक्षकों से कहा कि वे अपने-अपने क्षेत्र के अंतर्गत कार्यरत सभी बीएलओ के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करें और किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर तत्पर कार्रवाई सुनिश्चित करें। इस विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनावों से पहले मतदाता सूची को अद्यतन और त्रुटिरहित बनाना है। इसके अंतर्गत मृत, स्थानांतरित एवं दोहराए गए नामों को हटाने के साथ-साथ नए पात्र मतदाताओं को सूची में जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

मंगलवार को तेजी से बढ़ रहा था जल स्तर, चेतावनी बिंदु के करीब पहुंची गंगा

गंगा का रौद्र रूप: चार प्रखंडों में मंडराया बाढ़ का खतरा, अलर्ट मोड में प्रशासन

♦ दियारा इलाके में तेज हुआ कटाव, सहमें है तटीय इलाके के लोग, अबतक सैकड़ो एकड़ खेत हो चुके है गंगा में विलीन

केटी न्यूज/बक्सर

ब्रह्मपुर प्रखंड के प्रबोधपुर डेरा और पत्थर घाट पर तेज हुआ कटाव

बक्सर में गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ता जा रहा है और अब यह खतरनाक स्थिति की ओर बढ़ रहा है। हालात ऐसे बन गए हैं कि रामरेखा घाट की सभी सीढ़ियां पूरी तरह से जलमग्न हो चुकी हैं, यहां तक कि घाट पर स्थित विवाह मंडप तक पानी पहुंच गया है। यह स्थिति केवल गंगा नदी की नहीं, बल्कि इसकी सहायक नदियों ठोरा और कर्मनाशा भी उफान पर हैं। तेजी से बढ़ते जलस्तर ने प्रशासन और लोगों की चिंता बढ़ा दी है। केंद्रीय जल आयोग की रिपोर्ट के अनुसार मंगलवार को गंगा का जलस्तर 58.30 मीटर रिकॉर्ड किया गया है। यह चेतावनी बिंदु 59.32 मीटर से सिर्फ 1.02 मीटर नीचे है, जबकि खतरे का निशान 60.32 मीटर है। चिंताजनक बात यह है कि गंगा का जलस्तर 6 सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा है, जो अगले 48 घंटों में स्थिति को और गंभीर बना सकता है। बाढ़ के संभावित खतरों को देखते हुए तटवर्ती इलाके के लोगों की चिंता बढ़ गई है। खासकर जुलाई में मध्य में गंगा का यह रूप लोगों ने इसके पहले नहीं देखा था। वहीं, गंगा के रौद्र रूप को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह से सर्तक व तैयार हो गया है।

ब्रह्मपुर। गंगा के जल स्तर में वृद्धि के साथ ही दियारे इलाके में कटाव तेज हो गया है। मंगलवार को ब्रह्मपुर प्रखंड के नैनीजोर दियर स्थित प्रबोधपुर डेरा व पत्थर घाट पर काफी तेज गति से कटाव हो रहा था। इसके अलावे केशोपुर व शिवपुर दियर इलाके में भी कटाव काफी तेज हो गया है। कटाव के कारण शिवपुर दियर में बने जनेश्वर मिश्र सेतु के संपर्क पथ पर खतरा

मंडराने लगा है। उतरी नैनीजोर पंचायत के पूर्व मुखिया राजकिशोर प्रसाद, मुखिया प्रतिनिधि विरेन्द्र यादव, बिजेंद्र यादव, प्रबोधपुर डेरा निवासी मैनेजर यादव, ध्रुव कुमार तिवारी, डॉ. हरे राम तिवारी, कमला नन्द तिवारी आदि ग्रामीणों का कहना है कि इस बार कटाव काफी तेज हो रहा है, जिससे उनके उर्वर खेत तेजी से गंगा में समा रहे है। पिछले कई महीने से हो रहे कटाव को रोकने के लिए कई बार प्रशासन से मांग की गई है।

चौसा प्रखंड के बनारपुर के निचले इलाकों में फैलने लगा है पानी: गंगा और उसकी सहायक नदियों में आए उफान का असर बक्सर जिले के कई इलाकों में साफ देखा जा रहा है। बनारपुर पंचायत के निचले और रिहायशी इलाकों की ओर बाढ़ का पानी तेजी से बढ़ रहा है। खेतों में पहले ही पानी भर गया है, जिससे फसलें बर्बाद होने का खतरा पैदा हो गया है। कई ग्रामीण अब सुरक्षित स्थानों की तलाश में हैं।

बाढ़ आने पर प्रभावित होता है चार प्रखंड के दर्जनों गांव : बता दें कि गंगा में बाढ़ आने पर चौसा, सिमरी, चक्की और ब्रह्मपुर प्रखंड दर्जनों गांव प्रभावित होते है। एक अनुमान के मुताबिक बाढ़ आने पर करीब 1.25 लाख लोग प्रभावित होंगे। संभावित बाढ़ वाले इलाकों में पहले से ही सरकारी मशीनरी को अलर्ट कर दिया गया है और राहत केंद्रों की पहचान की जा रही है।

जिला आपदा प्रबंधन विभाग ने हालात को देखते हुए नावों की उपलब्धता सुनिश्चित करने, राहत सामग्री स्टॉक करने और राहत शिविरों की पहचान करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। बता दें कि इस बार पहाड़ो पर भारी बारिश हुई है। खासकर उतरखंड व हिमाचल प्रदेश में भारी, बारिश, दर्जनों बार बादल फटने तथा पहाड़ टूटने जैसी घटनाएं हुई है। बादल फटने के कारण ही नदियों का जलस्तर बढ़ा है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720
डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ
डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन
डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
SKIN SPECIALIST
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
पताः– सुमित्रा महिला कॉलेज से पूरब, ढेलवानी मोड़, डुमरांव 29 pm

उमसभरी गर्मी में बढ़ सकते हैं चर्म रोग, स्वच्छता ही बचाव का उपाय : डॉ. एसके

केटी न्यूज/डुमरांव

उमसभरी गर्मी और बारिश की कमी के कारण चर्म रोगों (त्वचा संबंधी बीमारियों) का खतरा बढ़ गया है। प्रसिद्ध चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. एसके अंबष्ट ने लोगों को सावधानी बरतने और स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि साफ-सफाई ही इन रोगों से बचने का सबसे प्रभावी उपाय है। डुमरांव के सुमित्रा कॉलेज रोड स्थित कुमार ऑर्थोपेडिक क्लिनिक में मंगलवार को केशव टाइम्स से विशेष बातचीत करते हुए डॉ. अंबष्ट ने कहा कि बरसात न होने और अधिक गर्मी के कारण वातावरण में नमी बढ़ गई है, जिससे फंगल संक्रमण, खुजली, चकत्ते और अन्य चर्म रोगों की संभावना भी बढ़ जाती है।

उन्होंने लोगों से अपील की कि गर्मी के मौसम में न केवल नहाना जरूरी है, बल्कि कपड़ों, विशेषकर अंडर गारमेंट्स की स्वच्छता का विशेष ख्याल रखें। गीले कपड़े या पसीने से भीगे वस्त्र पहनना त्वचा संक्रमण को आमंत्रण देता है।

डॉ. अंबष्ट ने बताया कि चर्म रोगियों को भीड़भाड़ से दूर रहना चाहिए और किसी भी प्रकार की खुजली या चकत्ते को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सावधानी से हम कई गंभीर त्वचा रोगों से भी बच सकते हैं। इस दौरान क्लिनिक में डॉ. जैनुल होदा उर्फ बबलू, कुश चौबे, राज सहित अन्य लोग मौजूद थे।

डॉ. अंबष्ट ने आमजन से अपील की कि यदि त्वचा पर कोई समस्या दिखे तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें और किसी भी घरेलू नुस्खे या बाजार में मिलने वाली दवाओं का प्रयोग बिना सलाह के न करें।

शिक्षक कॉलोनी चोरी कांड, 15 दिन बाद भी खाली हाथ पुलिस

डुमरांव। शहर के शिक्षक कॉलोनी में 15 दिन पूर्व हुए चोरी की घटना में अब तक पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं मिला है। इस मामले में सिमरी थाना क्षेत्र के मंझवारी गांव निवासी मुन्ना कुमार की पत्नी खुशबू देवी ने 29 जून को डुमरांव थाना में आवेदन देकर घर में चोरी की जानकारी दी थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की, लेकिन अब तक कोई सफलता नहीं मिल सकी है। पीड़िता ने बताया कि वह अपने डुमरांव स्थित घर को बंद कर गांव चली गई थीं। 29 जून की सुबह पड़ोसियों ने फोन कर घर में चोरी की सूचना दी। सूचना मिलते ही जब वह वापस लौटीं, तो देखा कि घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था और अंदर से नगदी समेत कीमती गहने गायब थे। चोरी गए सामानों में 50 हजार रुपये नकद, सोने का मंगलसूत्र, नथिया, मांगटीका, सिकड़ी सहित अन्य आभूषण शामिल हैं।

अपर समाहर्ता ने चौसा अंचल का किया निरीक्षण, दिया आवश्यक निर्देश

केटी न्यूज/चौसा

अपर समाहर्ता अरुण कुमार सिंह द्वारा मंगलवार को चौसा अंचल कार्यालय का निरीक्षण कर किया इस दौरान उन्होंने अधिकारी व कर्मचारियों को कई दिशा निर्देश दिए। साथ ही अंचल निरीक्षण के बाद चौसा में निर्माण हो रहा है 320 मेगावाट बिजली परियोजना का भी निरीक्षण किया वहीं बनारपुर- सिकरौल आदि गांव में जा बाढ़ का मुआयना किया गया। अपर समाहर्ता सबसे पहले अंचल कार्यालय पहुंचे। जांच में पहुंचते ही कर्मियों में हड़कंप मच गया। वे पहुंचने के साथ उपस्थिति पंजी देखी व कार्यो का मूल्यांकन किया गया। जहा चौसा में परिमार्जन की स्थिति ठीक नही पायी। उन्होंने इस सम्बंध में कार्यालय में उपस्थित आम नागरिकों से बात की व उनकी समस्या सुनी। इस दौरान कर्मियों व अधिकारियों से परिमार्जन की स्थिति सुधारने का निर्देश दिया। इसके साथ वे प्रभारी अंचलाधिकारी के साथ चौसा में निर्माण हो रहे 1320 मेगावाट बक्सर बिजली परियोजना का मुआयना किया। जहा कार्यो की प्रगति स्थिति देखी। जहा बताया गया बहुत जल्द इस परियोजना का शुभारंभ किया जाएगा। वह से लौटने के बाद वे चौसा बाढ़ का जायजा लेने गंगा व कर्मनाशा के तटीय क्षेत्र चौसा, बनारपूर व सिकरौल गांव का जायजा लिया गया। हालांकि, अभी इन क्षेत्रों में स्थिति सामान्य है। पानी की तीव्रता को देखते हुए लोगों को सावधान किया साथ ही अंचल पदाधिकारी उद्धव मिश्रा को अधिक सावधान कराते हुए निर्देश देते हुए कहा इन क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए एलर्ट रहने को कहा।

शराब के नशे में तीन गिरफ्तार

डुमरांव। स्थानीय पुलिस ने गश्ती के दौरान नशे की हालत में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष मतेंद्र कुमार ने बताया कि पकड़े गए आरोपियों में सिमरी के खैरापट्टी निवासी पवन दुबे, धनंजय पांडेय और रघुनाथपुर निवासी वीरबहादुर ठाकुर शामिल हैं। सभी को अलग-अलग स्थानों से पकड़ा गया। मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि होने के बाद तीनों से पूछताछ कर उनके खिलाफ कागजी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल
विशेषताएं:
■ विशाल और सुसज्जित हॉल
■ आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
■ ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
■ बड़ा पार्किंग एरिया
■ 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
■ साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
■ बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
■ हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ
अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर
मधुबन मैरेज हॉल
सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

पैक्स की आय-व्यय, लाभ-हानि, ऋण वितरण, खाद-बीज की आपूर्ति, सरकारी योजनाओं पर हुई चर्चा

पैक्सों की आम सभा में सदस्यों को मिली अधिकारों की जानकारी

केटी न्यूज/डुमरांव

नावानगर में पैक्स की आम सभा का आयोजन

नावानगर। स्थानीय प्रखंड के सभी पैक्स गोदाम पर मंगलवार को वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया। बैठक में पैक्स से संबंधित कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इनमें किसानों को अनुदानित दर पर खाद-बीज वितरण, खरीफ सीजन में धान अधिप्राप्ति की तैयारी, कृषि यंत्रों की सुविधा, और सदस्यता विस्तार जैसे विषय प्रमुख रहे। नावानगर के पैक्स गोदाम पर आयोजित आमसभा अध्यक्षता पैक्स अध्यक्ष मृत्युंजय कुमार सिंह ने की, जबकि संचालन पैक्स सदस्य अमजद हुसैन ने किया। अध्यक्ष ने कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए सभी सदस्यों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने पारदर्शी कार्यप्रणाली और समय पर लाभ पहुंचाने का भरोसा भी दिलाया। सभा में बड़ी संख्या में किसानों व ग्रामीणों की भागीदारी रही। उपस्थित लोगों ने अपनी समस्याएं भी रखीं, जिनमें समय पर खाद-बीज की आपूर्ति एवं गोदाम की निर्माण की मांग प्रमुख रही। सभा के अंत में सर्वसम्मति से कुछ निर्णय भी लिए गए, जिसमें आगामी दिनों में डिजिटल रिकॉर्डिंग सिस्टम लागू करने और अधिक से अधिक किसानों को सदस्य बनाने का संकल्प लिया गया।

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में प्राथमिक कृषि साख समिति की वार्षिक आम सभा का आयोजन किया गया। सभी संबंधित पैक्स भवनों में आयोजित इस सभा में सदस्यों की अच्छी भागीदारी देखी गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य सदस्यों को संस्था के वार्षिक कार्यों की जानकारी देना और आगामी योजनाओं को साझा करना था। सभा के दौरान संबंधित पैक्स अध्यक्ष व सचिवों द्वारा विगत वित्तीय वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें संस्था की आय-व्यय, लाभ-हानि, ऋण वितरण, खाद-बीज की आपूर्ति, सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन आदि बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिवेदन को सदस्यों के समक्ष पारदर्शिता के साथ प्रस्तुत किया गया और उन्हें दस्तावेजों की प्रति भी उपलब्ध कराई गई।इस अवसर पर पैक्स से जुड़े सदस्यों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी दी गई। विशेष रूप से यह बताया गया कि किस प्रकार पैक्स का संचालन सामूहिक भागीदारी से किया जाता है और प्रत्येक सदस्य की भूमिका संस्था के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण होती है। सदस्यों को यह भी जानकारी दी गई कि वे समय पर ऋण चुकता करें, बैठकों में नियमित भाग लें तथा किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में अपनी आवाज उठाएं। कई स्थानों पर सदस्यों ने अपनी शिकायतें और सुझाव भी रखे, जिन पर संबंधित अधिकारियों ने गंभीरता से विचार करने का आश्वासन दिया। कुछ पैक्स में प्रस्ताव पारित कर आगामी वर्ष में खाद वितरण की बेहतर व्यवस्था, ऑनलाइन सुविधा को बढ़ावा देने और गोदाम निर्माण की मांग भी रखी गई। सभा में पैक्स अध्यक्ष, सचिव, समिति सदस्य, ग्रामीण किसान, बीडीओ प्रतिनिधि, सहकारिता विभाग के अधिकारी और पंचायत प्रतिनिधि मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

शराब बिक्री का बदलेगा सिस्टम, 1 सितंबर से लागू होगी नयी उत्पाद नीति

रांची, एजेंसी। झारखंड में 1 सितंबर से नयी उत्पाद नीति लागू हो जाएगी, जिसके बाद राज्य में शराब दुकानों का संचालन निजी हाथों में चला जायेगा। उत्पाद विभाग ने दुकानों की बंदोबस्ती निजी शराब कारोबारियों को करने के लिए समय-सीमा निर्धारित कर दी है। इसके अनुसार 26 जुलाई से 8 अगस्त तक ऑनलाइन लॉटरी आवेदन की प्रक्रिया पूरी की जायेगी।

12 अगस्त को ई-लॉटरी के परिणाम का प्रकाशन किया जायेगा। इसके बाद 20 अगस्त तक खुदरा उत्पाद दुकानों को लाइसेंस जारी कर दिये जायेंगे। इस दौरान राज्य के सभी जिलों में झारखंड स्टेट बिवरेज कॉरपोरेशन लिमिटेड के गोदाम खोल कर कर्मियों का पदस्थापन किया जायेगा। 28 अगस्त तक खुदरा दुकानों के लाइसेंस को जेएसबीसीएल वॉलेट से जोड़ कर 1 सितंबर तक सभी खुदरा उत्पाद दुकानों को क्रियाशील बना दिया जायेगा।

नयी उत्पाद नीति लागू होने के साथ ही खुदरा शराब बिक्री को लेकर पूर्व में जारी सभी आदेश निरस्त हो जायेंगे। मालूम हो राज्य में नयी उत्पाद नीति को मई में ही कैबिनेट से स्वीकृति मिल गयी थी। प्लेसमेंट एजेंसी को 30 जून तक खुदरा शराब बिक्री के लिए अवधि विस्तार दिया गया था। अब दुकानों के ऑडिट के बाद नयी उत्पाद नीति लागू होने तक जेएसबीसीएल की देखरेख में खुदरा शराब दुकानों का संचालन किया जायेगा।

पलामू में रिम्स की बड़ी लापरवाही, इस गलती से दांव पर लगा 6 हजार अभ्यर्थियों का भविष्य

पलामू, एजेंसी। पलामू में आरएमएस (रेल डाक सेवा) की गलती की वजह से 6 हजार अभ्यर्थियों को भविष्य खतरे में पड़ गया। फॉर्म समय से जमा नहीं होने के कारण अभ्यर्थी एग्जाम नहीं दे पाये। जानकारी के अनुसार, पलामू जिले में फोर्थ ग्रेड कर्मचारी की बहाली को लेकर फॉर्म भरने की अंतिम तिथि पांच जुलाई थी। अंतिम दिन सबसे अधिक 15 हजार फॉर्म जमा हुए।

लेकिन आरएमएस की गलती के कारण छह हजार से ज्यादा फार्म नियोजन कार्यालय में जमा नहीं हो सके। इससे ये अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होने से वंचित हो गये। बताया गया कि जिन लोगों ने पांच जुलाई को हेड पोस्ट ऑफिस छोड़कर बाकी जगह के पोस्ट ऑफिस से रजिस्ट्री करायी थी। उनके आवेदन नियोजन कार्यालय में नहीं पहुंचे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, इसका मुख्य कारण है कि आवेदन विभिन्न पोस्ट ऑफिस से रजिस्ट्री हुई थी। उसे आरएमएस में भेजा जाता है। इसके बाद आरएमएस द्वारा रजिस्ट्री को हेड ऑफिस डाल्टनगंज भेजा जाता है। लेकिन पांच जुलाई को प्राप्त सभी रजिस्ट्री आरएमएस में ही रह गया। इसके बाद छह जुलाई को रविवार होने के कारण अभ्यर्थियों का आवेदन जिला नियोजन कार्यालय में जमा नहीं हो सका। इस घटना के बाद पीड़ित अभ्यर्थियों और उनके अभिभावकों में काफी रोष है।मालूम हो कि इसके पहले चार जुलाई तक 20 हजार फॉर्म आये थे। लेकिन अंतिम दिन पांच जुलाई को 15 हजार फॉर्म नियोजन कार्यालय में जमा हुए। इस तरह कुल 585 पद के लिए 35 हजार अभ्यर्थियों ने फॉर्म भरा। अंतिम दिन शनिवार को पोस्ट ऑफिस में शाम पांच बजे तक रजिस्ट्री का काम हुआ।

पोस्ट ऑफिस द्वारा अभ्यर्थियों के द्वारा किये गये रजिस्ट्री को शनिवार की शाम आठ बजे तक सभी लिफाफे को जिला नियोजन कार्यालय में पहुंचा दिया गया था। इसके बाद जिला नियोजन कार्यालय देर रात तक उसकी एंट्री कर काम को पूरा कर लिया। जिला नियोजन कार्यालय के द्वारा सभी भरे गये फॉर्म को समाहरणालय में भेजा जाता है। जहां सभी आवेदनों की एंट्री होती है।पलामू समाहरणालय में 132 पद, शिक्षा विभाग में 273, स्वास्थ्य विभाग में 151, जिला सहकारिता कार्यालय में तीन और वन प्रमंडल मेदिनीनगर में 26 पद खाली हैं। इस तरह कुल 585 पदों पर बहाली की जायेगी। इसमें से 268 पद अनारक्षित हैं। जबकि अनुसूचित जाति के लिए 162, अनुसूचित जनजाति के लिए 35, अत्यंत पिछड़ा वर्ग के लिए 42, पिछड़ा वर्ग के लिए 25, ईडब्ल्यूएस के लिए 53 पद आरक्षित हैं।

राजधानी समेत कई जिलों में भारी बारिश और वज्रपात का अलर्ट जारी,

आईएमडी ने बताया आने वाले दिनों के मौसम का हाल

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची समेत पूरे राज्य में सक्रिय मानसून ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। पिछले 24 घंटे में भारी बारिश और वज्रपात से 12 लोगों की मौत हो गई है। इन घटनाओं के बाद मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने सर्कुलर जारी कर आम जनता से सतर्क रहने की अपील की है।

जारी पूर्वानुमान में बताया गया है कि 16 जुलाई तक राजधानी समेत 13 जिलों में भारी बारिश और वज्रपात को लेकर अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम विज्ञान केंद्र रांची की ओर से जारी निर्देश में बताया गया कि दक्षिण-पूर्वी गंगीय पश्चिम बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश के ऊपर एक स्पष्ट निम्न दबाव का क्षेत्र बना है। यह उसी क्षेत्र में अवदाब के रूप में केंद्रित होकर कोलकाता से लगभग 70 किलोमीटर उत्तर-पूर्व और बर्धमान जिले से 100 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व में केंद्रित हो गया।

अगले 24 घंटे के दौरान इसके गंगीय पश्चिम बंगाल होते हुए पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है। इसका सीधा असर झारखंड और आसपास के राज्यों में भी देखने को मिलेगा।

15 जुलाई को राज्य के उत्तर-पश्चिमी भाग यानी पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार और लोहरदगा के साथ-साथ इससे सटे मध्य भाग यानी रांची, रामगढ़, हजारीबाग, गुमला, बोकारो और खूंटी के साथ-साथ गिरिडीह, देवघर, धनबाद, जामताड़ा, सरायकेला और पूर्वी सिंहभूम में भारी वर्षा और बिजली गिरने को लेकर येलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

इन जिलों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। वहीं 16 जुलाई को उत्तर-पश्चिमी भाग के साथ-साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र यानी देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, गिरिडीह, धनबाद और साहिबगंज में कुछ जगहों पर भारी वर्षा को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

वहीं इससे सटे मध्य भाग में भारी वर्षा और बिजली गिरने को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि 15 और 16 जुलाई को राज्य के अधिकांश जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ-साथ भारी बारिश की प्रबल संभावना है।

उन्होंने बताया कि अगले तीन दिनों यानी 15, 16 और 17 जुलाई को राज्य के अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ सकती है, जिसके बाद अगले दो दिनों यानी 18 और 19 जुलाई तक तापमान में कोई बड़ा बदलाव होने की संभावना नहीं है।

पिछले 24 घंटों के मौसम की बात करें तो पूरे राज्य में मानसून की सक्रियता सामान्य रही। लगभग सभी जगहों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई, जबकि कुछ जगहों पर भारी बारिश हुई। सबसे अधिक 174.6 मिमी बारिश पूर्वी सिंहभूम के घाटशिला में दर्ज की गई। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 36.1 डिग्री सेल्सियस गढ़वा में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस लातेहार में दर्ज किया गया। वहीं, राजधानी रांची का अधिकतम तापमान 31.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

राज्य के विभिन्न जिलों में बिजली गिरने से 12 लोगों की मौत हो गई। जबकि सात लोग गंभीर रूप से झुलस गए हैं। इनमें से कई लोग खेतों में काम करते समय बिजली की चपेट में आए। रविवार को हुई बिजली गिरने की घटनाओं में गिरिडीह और दुमका जिले सबसे ज्यादा प्रभावित हुए, जहां तीन-तीन लोगों की मौत हो गई।

मौसम पूर्वानुमान में कहा गया है कि राज्य के लोगों को अभी बारिश से राहत मिलने की संभावना नहीं है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने 16 जुलाई तक भारी बारिश और वज्रपात की संभावना को लेकर अलर्ट जारी किया है।

बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवाती परिसंचरण और निम्न दबाव के क्षेत्र के कारण राज्य में 16 जुलाई तक बारिश की संभावना है। मौसम विभाग ने पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, खूंटी और गुमला जिले के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि रांची, लोहरदगा, गिरिडीह, देवघर, धनबाद, जामताड़ा, सरायकेला और पूर्वी सिंहभूम में भारी बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है।

चार लाख कांवरियों की सेवा कर चुका है सीसीएल, झारखंड-बिहार बॉर्डर पर लगता है शिविर

गिरिडीह, एजेंसी। सावन के साथ ही बाबा भोले के भक्तों का तांता शिव मंदिर में उमड़ पड़ा। वहीं, शिवभक्तों की सेवा में भी लोग जुटे हुए हैं। झारखंड-बिहार बॉर्डर पर अवस्थित दुम्मा में सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का शिविर भी शुरू हो गया है। सीसीएल के द्वारा लगाया गए इस शिविर में पैदल बाबाधाम जाने वाले भक्तों के लिए विशेष व्यवस्था की गई हैं।

भक्तों को न सिर्फ निशुल्क चिकित्सीय व्यवस्था दी जा रही है। बल्कि पेयजल-चाय, आवश्यक दवा के साथ-साथ पैर की मालिश की भी व्यवस्था की गई है। कांवरियों के लिए यहां सीसीएल के द्वारा चिकित्सक के साथ पैरामेडिकल स्टाफ और एम्बुलेंस की भी व्यवस्था की गई है। इस महत्वपूर्ण शिविर का उद्घाटन हो चुका है। शिविर का उद्घाटन सीसीएल के सीएमडी की पत्नी प्रीति सिंह के हाथों किया गया था। बताया गया कि वर्ष 2014 से ही सीसीएल द्वारा दुम्मा में शिविर लगाया जाता रहा है। सामाजिक दायित्व निगमन (सीएसआर) के तहत आयोजित यह कैंप इस बार 9 अगस्त तक संचालित रहेगा।उन्होंने बताया कि अभी तक इस शिविर में 4,00,300 ग्रामीणों एवं कांवरियों की निशुल्क सेवा की जा चुकी है। इस बार भी एक लाख से अधिक कांवरियों की सेवा का लक्ष्य निर्धारित है। यहां महिला कांवरिया की सुविधा के लिए एक विश्राम कक्ष भी रखा गया है। इसके अलावा शौचालय की भी व्यवस्था दी गई है।

उद्घाटन के उपरांत मुख्य अतिथि प्रीति सिंह के द्वारा उन चार सेवादार को सम्मानित किया गया जो वर्ष 2014 से ही शिव भक्तों की सेवा में यहां जुटे रहते हैं। इस दौरान सीसीएल के निदेशक कार्मिक की पत्नी इंदु मिश्रा एवं सीसीएल मुख्यालय से आयी हेडक्वार्टर अर्पिता महिला मंडल के साथ अन्य महिला सदस्य भी मौजूद रही।

100 दिन में सफाई व्यवस्था नहीं सुधरी, तो बाहर हो जायेगी स्वच्छता कॉरपोरेशन

रांची, एजेंसी। राजधानी की सफाई व्यवस्था ध्वस्त चुकी है। इसे लेकर हो रही फजीहत के बाद संभवतः रांची नगर निगम के अधिकारियों की नींद टूटने लगी है। सोमवार को अपर प्रशासक संजय कुमार ने शहर की सफाई व्यवस्था संभाल रही एजेंसी 'स्वच्छता कॉरपोरेशन' के पदाधिकारियों और सुपरवाइजरों के साथ बैठक की। अपर प्रशासक ने एजेंसी के पदाधिकारियों को फटकार लगायी। कहा कि हालात सुधरने के बजाय दिन-ब-दिन खराब होते जा रहे हैं। एजेंसी अपनी कार्यशैली में सुधार लाये और शहर की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाये। अपर प्रशासक ने अल्टीमेटम दिया, कहा- अगर 100 दिनों में शहर की सफाई व्यवस्था दुरुस्त नहीं हुई, तो एजेंसी को बाहर का रास्ता दिखा दिया जायेगा।

बैठक के दौरान अपर प्रशासक ने सभी सुपरवाइजरों को भी चेतावनी दी। कहा कि आपलोग 'स्लीपिंग मोड' से बाहर निकलकर काम करें। अगर काम करने में सक्षम नहीं हैं, तो काम छोड़ दें। किसी दूसरे कर्मी को सुपरवाइजर बनाया जायेगा। किसी भी हाल में यह शिकायत नहीं मिलना चाहिए कि वार्ड से कचरे का उठाव नहीं हो रहा है। अगर ऐसा होता है, तो फिर सुपरवाइजर पर कार्रवाई की जायेगी। वहीं, अपर प्रशासक ने कहा कि सड़कों के किनारे और नालों में कचरा फेंकनेवालों की वजह से ही नालियां जाम होती हैं। ऐसे लोगों को चिह्नित कर इनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की जाये। अपर प्रशासक ने निगम के सभी सहायक प्रशासक, सिटी मैनेजर, जोनल सुपरवाइजर और सुपरवाइजरों को निर्देश दिया कि वे रोजाना फिल्ड विजिट करें। विजिट के दौरान देखें कि कहां-कहां से कचरा का उठाव नहीं हुआ है। इसकी विस्तृत रिपोर्ट प्रतिदिन वरीय अधिकारियों को उपलब्ध करायें। बैठक में उप प्रशासक रविंद्र कुमार, सहायक प्रशासक निहारिका तिर्की, चंद्रदीप कुमार, गोपेश कुंभकार सहित सिटी मैनेजर आदि उपस्थित थे।बैठक में अपर प्रशासक ने शहरवासियों से अपील की कि अगर किसी भी मोहल्ले में कचरे का नियमित उठाव नहीं होता है, तो इसकी शिकायत निगम के हेल्पलाइन नंबर-18005701235 पर दर्ज करा सकते हैं।

धनबाद में बड़े पैमाने पर डॉक्टरों का हुआ ट्रांसफर, लिस्ट आई सामने

धनबाद, एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से ने सोमवार को बड़े पैमाने पर राज्य के मेडिकल कॉलेजों में पदस्थापित सीनियर रेजीडेंट डॉ.क्टर व ट्यूटर का स्थानांतरण किया है। विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज व अस्पताल के 11 विभागों में पदस्थापित कुल 32 सीनियर रेजीडेंट और ट्यूटर का तबादला किया गया है।

सबसे ज्यादा सर्जरी विभाग में पदस्थापित सात चिकित्सकों के नाम शामिल है।यह सभी पीजी बॉड के तहत राज्य सरकार के अधीन सेवा के लिए रिम्स से 2020-23 सत्र के चिकित्सक हैं। मेडिकल कॉलेज से एक साथ इतनी संख्या में एसआर व ट्यूटर के तबादले के बाद कमियां दूर होने की बजाए और बढ़ गई है।

मेडिसिन से डॉ. सुभम मैत्रा, शिशु रोग विभाग से डॉ. शमीन एहतेशाम, डॉ. मनीषा सिंह, डॉ. मो रिजवान फारूकी, डॉ. मंतोष

कुमार औरर डॉ. आनंद मांझी, हड्डी रोग विभाग से डॉ. अमित कुमार, सर्जरी विभाग से डॉ. अरविंदन डी, डॉ. नेहा चटर्जी, डॉ. विद्या शिवा लख्मी आर, डॉ. आर शनमुगा प्रियन, डॉ. सन्नी कुमार गुप्ता, डॉ. गगन हेम्ब्रम और डॉ. चंचला, स्त्री एवं प्रसव रोग विभाग से डॉ. विनीता सिंह, डॉ. आयुषी प्रकाश, डॉ. सौम्या, डॉ. सन्नी कुमारी, डॉ. पायल बोईपाई, नेत्र रोग विभाग से डॉ. पल्लवी, डॉ. अभिषेक कुमार सिन्हा, ईएनटी विभाग से डॉ. एम जुनैद आलम, डॉ. अल्फा ओमेगा कंडुलना, एनेस्थेसिया विभाग से डॉ. पीयू गोराई, डॉ. नेगी दीक्षा, डॉ. पूजा कुमारी, चर्म रोग विभाग से डॉ. समीक्षा माथुर, रेडियोलॉजी विभाग से डॉ. जरीना तमांग, डॉ. बेनजीर मुख्तार, डॉ. तान्या तनु, पैथोलॉजी विभाग से डॉ. पूजा कुमार और डॉ. नासरीन परवीन शामिल हैं।

विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसर सदर अस्पताल धनबाद के मेडिसिन विभाग में डॉ. सुधांशु सुब्रत, शिशु रोग विभाग में डॉ. स्मिता कुमारी, स्त्री एवं प्रसव रोग विभाग में डॉ. सौम्या, नेत्र रोग विभाग में डॉ. अभिषेक कुमार सिन्हा, ईएनटी में डॉ. एम जुनैद आलम, एनेस्थेसिया में डॉ. पीयू गोराई और डॉ. नेगी दीक्षा, रेडियोलॉजी में डॉ. बेनजीर मुख्तार और डॉ. तान्या तनु को प्रतिनियुक्त किया गया है। इनमें से मेडिसिन और शिशु रोग विभाग को छोड़ सभी चिकित्सक एसएनएमएमसीएच में पदस्थापित थे।

बोकारो की 103 एकड़ वन भूमि घोटाला मामला-राजबीर कंस्ट्रक्शन का मालिक पुनीत अग्रवाल गिरफ्तार

बोकारो, एजेंसी। बोकारो में तेतुलिया वन भूमि घोटाले में सीआईडी ने राजबीर कंस्ट्रक्शन के संचालक पुनीत अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। पुनीत ने उमायुष मल्टीकाम प्राइवेट लिमिटेड को वन भूमि के बदले 3.40 करोड़ रुपए का भुगतान किया था। यह भूमि वन विभाग की है और इसकी बिक्री कानून के विरुद्ध है। इस मामले में सीआईडी पहले ही इजहार हुसैन और अख्तर हुसैन को गिरफ्तार कर चुकी है। दोनों ने 2021 में करीब 103 एकड़ वन भूमि के फर्जी दस्तावेज बनाकर उमायुष कंपनी को 10.3 करोड़ रुपए में बेच दी थी। उस समय इस भूमि का सर्किल रेट 23 करोड़ रुपए था।

ईडी भी कर रही है इस मामले की जांच : ईडी भी मनी लॉन्ड्रिंग के पहलू से मामले की जांच कर रही है। ईडी ने 22 अप्रैल को कई स्थानों पर छापेमारी की। बिहार के बांका में श्रीराम कंस्ट्रक्शन के मालिक बीर अग्रवाल (पुनीत के पिता) के घर से 1.30 करोड़ रुपए नकद मिले।

ईडी ने पुनीत अग्रवाल, शैलेश सिंह और उनके बेटे आयुष कुमार सिंह के ठिकानों की तलाशी ली। पूर्व अंचलाधिकारी निर्मल टोप्पो और चास के पूर्व सब-रजिस्ट्रार रामेश्वर प्रसाद सिंह के यहां से भी जांच की गई। इन स्थानों से जमीन के दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य बरामद हुए हैं।

डीएफओ के खिलाफ हाईकोर्ट में अवमानना याचिका : मामले की गंभीरता को देखते हुए झारखंड उच्च न्यायालय ने वन भूमि को लेकर जिला वन पदाधिकारी के खिलाफ अवमानना याचिका भी स्वीकार की है। कोर्ट ने डीएफओ को सुप्रीम कोर्ट जाने की छूट दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रकरण में 24 जुलाई को सुनवाई निर्धारित की है। वहीं बोकारो डीसी को मूल खतियान दस्तावेजों के साथ तलब किया है। न्यायालय ने मौखिक टिप्पणी में स्पष्ट किया है कि जमीन की प्रकृति कभी नहीं बदली जा सकती।

बोकारो के सेक्टर-12 थाना में दर्ज है प्राथमिकी : बोकारो के सेक्टर-12 थाना में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर सीआईडी ने जांच टेकओवर की थी, जिसमें पुनीत अग्रवाल की संलिप्तता उजागर होने पर उनकी गिरफ्तारी हुई। गिरफ्तार पुनीत को आज न्यायिक हिरासत में अदालत में पेश किया जाएगा।

छापर बालू घाट को लेकर क्रिमिनल गैंग आमने-सामने, फायरिंग कर खुलेआम दी धमकी

रांची, एजेंसी। राजधानी रांची में अवैध बालू के निकासी के लिए कुछ अपराधी गैंग आमने-सामने हो गए हैं। बालू घाट पर कब्जे को लेकर एक अपराधी ने तो सोशल मीडिया में बकायदा धमकी भरा पोस्ट भी डाल दिया है, जिसमें वह कार्बाइन से फायरिंग करता नजर आ रहा है। डीआईजी सह एसएसपी रांची ने धमकी देने वाले अपराधी को जल्द पकड़ने का दावा किया है।

रांची के बुढ़मू थाना क्षेत्र के छापर बालू घाट से वसूली को लेकर कुछ आपराधिक गैंग आमने-सामने हो गए हैं। यहां कुख्यात आलोक गिरोह भी बालू घाट पर अपना वर्चस्व कायम करने में जुटा हुआ है। अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए आलोक गिरोह के द्वारा सोशल मीडिया पर एक वीडियो डाला गया है, जिसमें खुद को

बड़ा अपराधी बताने वाला एक युवक दूसरे गैंग्स के अपराधियों को धमकी दे रहा है और खुलेआम गोली चला रहा है। वीडियो में मौजूद अपराधी यह कहता नजर आ रहा है कि आलोक गिरोह का वह सदस्य है। उसका नाम भवानी सिंह है। वह यह भी कह रहा है कि अगर कोई भैरव सिंह की बात मानेगा तो वह उसे मार देगा।

सोशल मीडिया पर फायरिंग करता हुआ विजुअल पोस्ट की जानकारी डीआईजी सह एसएसपी रांची चन्दन कुमार सिन्हा को भी है। इस मामले को लेकर डीआईजी सह एसएसपी ने बेहद कड़े शब्दों में कहा कि एक अपराधी वीडियो वायरल कर गोली चलाते हुए दिखाई दे रहा है। उसकी पहचान भी कर ली गई है जल्द ही उस पर समुचित कार्रवाई की जाएगी।रांची के बुढ़मू थाना क्षेत्र स्थित छापर में बालू और कोयला दोनों की ही अवैध निकासी को लेकर बदनाम है। इस इलाके में कुछ उग्रवादी संगठन भी सक्रिय हैं, जो गैरकानूनी कार्यों में लिप्त हैं। सभी का मकसद बालू और कोयला तस्करी के जरिए पैसा कमाना है। जिस अपराधी के द्वारा वीडियो जारी किया गया है, वह पूर्व में टीपीसी से ही जुड़ा हुआ था। फिलहाल पुलिस की नजर सभी आपराधिक गुटों पर है। डीआईजी सह एसएसपी रांची ने कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

प्रदेश के सभी सरकारी दफ्तर होंगे हाईटेक, ई-ऑफिस सिस्टम के हैं कई फायदे

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार अपने दफ्तरों को हाईटेक करने की कवायद में जुट गई है। सारे दफ्तरों को ई-ऑफिस सिस्टम से लैस किया जाएगा। सारा काम डिजिटल मोड पर होगा। एक बटन दबाते ही सारा डाटा सामने आ जाएगा। सरकार के आईटी डिपार्टमेंट में इस दिशा में काम करना शुरु कर दिया है। इसके सफल क्रियान्वयन को लेकर मुख्य सचिव अलका तिवारी ने राज्य सरकार के विभागों के प्रमुखों के साथ विचार विमर्श किया। उन्होंने आईटी डिपार्टमेंट को ई-ऑफिस सिस्टम को सौ फीसदी त्रुटिहीन बनाने का निर्देश दिया।

कबतक ई-ऑफिस सिस्टम से लैस होंगे सभी दफ्तर : इसके लिए डेडलाइन तय कर दिया गया है। जनवरी 2026 के पहले इस व्यवस्था को बहाल करने को कहा गया है। प्रेजेंटेशन के माध्यम से इसे लागू करने का तरीका बताने वाले रेलटेल, एनआइसी और जैपआइटी के तकनीकी विशेषज्ञों को निर्देश दिया कि वे टाइमलाइन बनाकर इसे क्रियान्वित करें। तकनीकी व्यवस्था सुगम हो, ताकि अनावश्यक देरी नहीं हो। कार्यालय के बाहर दूसरी जगह से भी ई-ऑफिस के जरिये कार्य करने की सहुलियत हो।

साइबर फ्रॉड का नहीं पड़ना चाहिए साया : मुख्य सचिव ने इस बात पर जोर दिया कि सरकारी फाइलें काफी संवेदनशील होती हैं, इसलिए सबसे पहले यह सुनिश्चित करना होगा कि फाइलें साइबर फ्रॉड की शिकार नहीं बनें। उन्होंने निर्देश दिया कि इसके लिए सबसे पहले सभी पुरानी फाइलों को स्कैन कर उनका पीडीएफ फाइल अपलोड करना होगा। ऐसा ना हो कि फिजिकल फाइल पढ़कर डिजिटल निर्णय लेने की नौबत आये।

चार विभागों में ई-ऑफिस सिस्टम शुरू : राज्य सरकार के चार विभागों में ई-ऑफिस सिस्टम शुरू हो गया है। इनमें कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा, वित्त विभाग, आईटी एवं ई-गवर्नेंस विभाग के अलावा उच्च शिक्षा विभाग शामिल हैं। इससे जुड़े लोगों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। दूसरे विभाग भी इस व्यवस्था को लागू करने में आगे आ रहे हैं। इन विभागों के लोगों को भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। कई विभागों ने अपने अधिकारियों के ई-ऑफिस सिस्टम पर ईमेल बना दिया है। मुख्य सचिव ने बाकी बचे विभागों को भी ई-ऑफिस सिस्टम पर आने के लिए प्रक्रिया शुरू करने का निर्देश दिया।

ई-ऑफिस सिस्टम से क्या फायदे होंगे : ई-ऑफिस सिस्टम लागू होने के बाद एक क्लिक पर फाइलें सामने होंगी। फाइलों के भौतिक रख-रखाव से मुक्ति मिल जाएगी। सभी फाइलें एक जगह संरक्षित और सुरक्षित रहेंगी। एक फाइल की कई-कई बार फोटो कॉपी करने की जरुरत नहीं होगी। फाइलों को आग, बाढ़, कीड़े, चूहों और फंगस से बचाने की जद्दोजहद से मुक्ति मिलेगी। फाइलों पर निर्णय लेने की गति बढ़ेगी। यह पारदर्शी होगा, इस कारण भ्रष्टाचार की गुंजाइश नहीं होगी। फाइलें लाल फीताशाही से मुक्त होंगी। विभागों की कार्यकुशलता बढ़ेगी। पेपरलेस काम होने से पर्यावरण को लाभ होगा।

रिम्स में डेंटल ओटी और सेंट्रल लैब का शुभारंभ, मरीजों को मिलेंगी ये सुविधायें

रांची, एजेंसी। रिम्स में सावन की पहली सोमवारी पर मरीजों को डेंटल ओटी और सेंट्रल लैब की सौगात मिली। पहले ही दिन सेंट्रल लैब में करीब 200 मरीजों की जांच की गयी। इन सुविधाओं के शुरू होने से अस्पताल में भर्ती मरीजों को काफी राहत मिलेगी। इधर, दलालों से बचने के लिए डॉक्टर ओपीडी में पर्ची पर मुहर लगायेंगे।

रांची स्थित रिम्स में आने वाले मरीजों के लिए सावन की पहली सोमवारी शुभ रही। मरीजों को ध्यान में रखते हुए रिम्स प्रबंधन ने सोमवार से अस्पताल में 'सेंट्रल लैब' और 'डेंटल ओटी' की सेवाएं शुरू कर दी। 14 जुलाई 2025 को दोपहर 3ः30 बजे रिम्स निदेशक डॉ राजकुमार की मौजूदगी में इन सेवाओं की शुरुआत हुई।

जानकारी के अनुसार, पहले ही दिन सेंट्रल लैब में 200 से अधिक मरीजों की जांच की गयी। वहीं, डेंटल ओटी को मंगलवार से सर्जरी के लिए तैयार कर लिया गया है। रिम्स निदेशक ने यह स्पष्ट किया है कि यह उद्घाटन नहीं है। इन सेवाओं का विधिवत उद्घाटन मुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री से कराया जायेगा। अगर अभी समय नहीं मिला, तो क्षेत्रीय नेत्र संस्थान के उद्घाटन के साथ ही सभी सेवाओं का एक साथ उद्घाटन कराया जायेगा। इधर, अस्पताल में नयी सेवाओं के शुभारंभ के बाद निदेशक ने कहा कि करीब 12,000 स्क्वायर फीट में डेंटल ओटी विंग को तैयार किया गया है।

सुभाषितम्

इच्छाओं के सामने आते ही सभी प्रतिज्ञाएं ताक पर धरी रह जाती हैं। - अज्ञात

अमेरिकी कंपनी ने वायदा कारोबार से भारतीय निवेशकों से 2 लाख करोड़ ठगे

अमेरिका की कंपनी जेन स्ट्रीट हाई फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग फर्म है। इसने पिछले 4 सालों में भारत के वायदा कारोबार में ट्रेडिंग के नियमों का उल्लंघन कर लाखों करोड़ रुपए की लूट भारत से की है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेवी) आंख बंद करके बैठी रही। भारत के वायदा कारोबार से जुड़े 91 फीसदी निवेशकों को पिछले 4 सालों से यह कंपनी लूट रही थी। अभी तक जो जानकारी प्राप्त हुई है। उसके अनुसार 2 लाख करोड रुपए से ज्यादा की लूट इसने पिछले वर्षों में की है। इसके पहले के आंकड़ों को अभी तक सेवी ने उजागर नहीं किया है। जब इस मामले की कलई खुली, सेबी ने जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी कंपनियों पर कार्यवाही करते हुए 4843.57 करोड रुपए जप्त करने के आदेश दिए हैं। इस कंपनी ने पिछले दो वर्ष जिसमें वर्ष 2024 में लगभग 50000 करोड रुपए 2025 में 74812 करोड रुपए का घोटाला किया है। कंपनी ने निफ्टी के 50 इंडेक्स वाले शेयरों में हाई फ्रीक्वेंसी ट्रेडिंग वाले सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हुए, पिछले 4 वर्षों से धोखाधड़ी की जा रही है। कंपनी सुबह के समय भारी मात्रा में वायदा कारोबार के शेयर और फ्यूचर्स में कारोबार करती थी। वायदा कारोबार में इन कंपनियों की खरीदी के कारण जब तेजी आ जाती थी। तो खरीदे हुए शेयर कुछ ही सेंकड़ों में बेचकर भारी मुनाफा कमाकर अमेरिका ले जाती थी। इसकी जानकारी देने वाले विहसिल ब्लोअर मयंक बंसल का दावा है। जेन स्ट्रीट ने जनवरी 2023 से मार्च 2025 तक 36502 करोड रुपए का अवैध मुनाफा कमाया है। इसकी सहयोगी कंपनियों के आंकड़े को भी सामने लाया जाए तो पिछले 4 वर्षों में वायदा कारोबार में जो 91 फीसदी छोटे भारतीय निवेशक थे। उन्हें लाखों करोड़ों रुपए का घाटा हुआ है। अमेरिका की कंपनी ने वायदा कारोबार में इंडेक्स की 50 कंपनियों में शॉर्ट ऑप्शन का इस्तेमाल करते हुए भारी मुनाफा कमाया है। भारतीय शेयर बाजार से कमाए गए मुनाफे को कंपनी अमेरिका ले गई है। भारतीय शेयर बाजार का पैसा सिंगापुर और अमेरिका में बड़े पैमाने पर अवैध तरीके से ट्रांसफर किया गया है। वायदा कारोबार के भारतीय 91 फीसदी निवेशकों को भारी नुकसान हुआ है। वायदा कारोबार के 50 इंडेक्स वाली सूची के शेयरों में निवेश करने वाले धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं। 3 जुलाई 2025 को सेबी ने जेन स्ट्रीट और उसकी सहयोगी कंपनियों के कारोबार पर प्रतिबंध लगाया है। सेबी ने 4843.57 करोड रुपए जप्त करने के आदेश दिए हैं। इस कंपनी ने लाखों करोड़ रुपए की लूट भारतीय शेयर बाजार से अवैध तरीके से की है। सेबी और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को पल-पल की खबर होती है। शिकायत करने के बाद भी दोनों नियामक संस्थाओं ने कोई कार्यवाही कंपनी पर नहीं की। 4 साल से यह गोरख धंधा चलता रहा, अब जाकर कार्रवाई की गई है। अमेरिका की कंपनी अमेरिका में मामला दर्ज कराने की बात कर रही है। भारतीय शेयर बाजार, विदेशी कंपनियों को मुनाफा देने वाला सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। विदेशी निवेशकों के लिए भारतीय शेयर बाजार सोने के अंडे देने वाला बाजार है। भारत की वित्तीय संस्थाओं द्वारा पिछले एक दशक में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और मुंबई स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध कंपनियों में भारी निवेश किया है। म्युचुअल फंड के जरिये करोड़ों भारतीय छोटे निवेशकों ने शेयर बाजार में निवेश किया है। पिछले 10 साल से विदेशी निवेशकों के लिये मुनाफा वसूली का सबसे बड़ा बाजार भारत का शेयर बाजार है। दुनिया के किसी भी शेयर बाजार में इस तरह की तेजी देखने को नहीं मिली, जो भारतीय शेयर बाजारों में देखने को मिली। निवेशकों के हितों को सुरक्षित रखने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी सेबी की होती है। मुंबई स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज को भी इस तरह के लेनदेन पर निगाह रखनी थी। समय रहते कार्रवाई करनी थी।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का क्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस क्रम को पर्याय-परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था। प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है। यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है ।कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है ।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है ।वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है ।इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व-निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है ।लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है ।पर व्यक्ति-निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व ।व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है- स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह-अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं ।क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है ।जीविका जीवन की अनिवार्यता है ।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है ।जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है ।जीवन का साध्य है- विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है ।उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा ।प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है ।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

कौशलता विकास एक संकट मोचक बौद्धिक अस्त्र है

किशन सनमुखदास भावनानीं

विश्व युवा कौशल दिवस 15 जुलाई 2025-एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण कौशलता विकास, सामाजिक आर्थिक सुधारों बढ़ती असमानता बेरोजगारी जनसांख्यिकीय संक्रमण जैसे मुद्दों के समाधान में मील का पत्थर साबित होगा गोंदिया - सृष्टि रचयिता ने मानव को प्राकृतिक रूप से बौद्धिक क्षमता का अभूतपूर्व खजाना दिया है ।बस! जरूरत है उसे पहचान कर निखारने की, जिसके बलपर सफलताओं की हदें पार की जा सकती है! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि खास करके हर मानव में अपने अपने स्तरपर अलग-अलग कौशलता समाई हुई है, बस इसे पहचान कर उसका विकास करना है, जिसे हम कौशलता विकास दिवस के नाम से मनातें हैं ।आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हम 15 जुलाई 2025 को विश्व युवा कौशलता दिवस मना रहे हैं, इसे 2014 से संयुक्त राष्ट्र ने 15 जुलाई को प्रतिवर्ष विश्व युवा कौशल दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया था, जिसे प्रथम बार 15 जुलाई 2015 को मनाया गया था और हर साल नई थीम के साथ मनाया जाता है। वर्ष 2025 की थीम एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा

सशक्तिकरण रखा गया है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से कौशलता विकास पर चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम विश्व युवा कौशल दिवस 2025 की करें तो, सामाजिक-आर्थिक सुधार की दिशा में ठोस प्रयास है जो जलवायु परिवर्तन, संघर्ष, निरंतर गरीबी, बढ़ती असमानता, तेजी से तकनीकी परिवर्तन, जनसांख्यिकीय संक्रमण और अन्य जैसी चुनौतियों से जुड़े हुए हैं। युवा महिलाओं औरलड़कियों, विकलांग युवाओं, गरीब परिवारों के युवाओं, ग्रामीण समुदायों, स्वदेशी लोगों और अल्पसंख्यक समूहों के साथ-साथ हिंसक संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता के परिणाम भुगतने वाले लोगों को कई कारकों के संयोजन के कारण बाहर रखा जाता है, इसके अलावा, संकट ने काम की दुनियाँ में पहले से ही कई बदलावों को तेज कर दिया है, जो उन कौशल और दक्षताओं के बारे में अनिश्चितता की परतें जोड़ते हैं जिससे हम कौशलता से ऐसा दक्ष हो जाते है कि हम नौकरी पाने वाले नहीं बल्कि नौकरी देने वाले बन जाते है। संयुक्त राष्ट्र और इसकी एजेंसियां,जैसे कि यूनेस्को- यूएनईवीओसी, काम की दुनियाँ में पहुंची बाधाओं को कम कर- के इन चुनौतियों का समाधान करने में मदद करने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं, यह सुनिश्चित करते हुए प्राप्त कौशल को मान्यता प्राप्त और प्रमाणित किया जाता है, और बाहर के लिए कौशल विकास के अवसर प्रदान करता है। स्कूली युवा और जो रोजगार, शिक्षा या प्रशिक्षण (एनईईटी) में नहीं हैं 2030 एजेंडा के लिए कार्रवाई के इस दशक के दौरान, सकारात्मक परिवर्तन और नवाचार उत्पन्न करने के लिए वैश्विक प्रक्रियाओं में युवाओं की पूर्ण भागीदारी महत्वपूर्ण है ।हमारे माननीय पीएम के ड्रीम प्रोजेक्टस में से एक है। भारत ने इसके लिए एक अलग से मंत्रालय का गठन किया है जो उचित प्रशिक्षण प्रदान करने, अच्छे काम रोजगार और उद्यमिता के लिए कौशलता प्रदान करने के महत्व पर जोर देता है और अनेक कार्यक्रमों का आयोजन कर कौशलता विकास के महत्व पर जन जागरण बहुत ही जोर शोर से करता है

साथियों बात अगर हम विश्व कौशलता दिवस 15 जुलाई 2025 के बारे में जानने की करें तो, थीमः2025 के लिए, विश्व युवा कौशल दिवस की थीम एआई और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण है। महत्वःयह दिन युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करने, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण (टीवीईटी) को बढ़ावा देने और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युग में प्रासंगिक कौशल प्रदान करने पर केंद्रित है ।आयोजनःइस दिन, विभिन्न कार्यक्रम, कार्यशालाएं और संवाद आयोजित किए जाते हैं, जिनमें युवाओं को कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता के अवसरों के बारे में जानकारी दी जाती है। भागीदारीः शिक्षक, अभिभावक, मार्गदर्शक, प्रशिक्षण प्रदाता और अन्य सभी को यह सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है कि युवा आवश्यक कौशल प्राप्त करें। दिनांक 12 जुलाई 2025 को देर शाम माननीय उपराष्ट्रपति ने एक कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कौशल का विकास के बारे में कहा भारतीय संविधान में 22 दृश्य चित्रणों में एक गुरुकुल की भी छवि है। हम हमेशा से ज्ञान के दान में विश्वास करते रहे हैं। कोचिंग सेंटरों को अपने बुनियादी ढांचे का उपयोग कौशल केंद्रों में बदलने के लिए करना चाहिए। मैं सिविल सोसाइटी और मेरे सामने और बाहर मौजूद जनप्रतिनिधियों से आग्रह करता हूँ कि वे इस बीमारी की गंभीरता को समझें। उन्हें शिक्षा में विवेकशीलता बहाल करने के लिए एकजुट होना होगा। हमें कौशल के लिए प्रबल प्रशिक्षण की सख़्त आवश्यकता है।

साथियों बात अगर हम युवा कौशलता के लिए भारत द्वारा उठाए गए कदमों की करें तो, युवाओं की स्किल डेवलेपमेंट के लिए उठाए गए कदम निम्नलिखित हैं, औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र (आईटीआई): वर्ष 1950 में परिकल्पित, का उद्देश्य भारत में मौजूदा दीर्घकालिक प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र का विस्तार और आधुनिकीकरण करना है। पीएम स्किल्स विकास योजना (पीएमकेवीवाई): 2015 में शुरू की गई, इसका उद्देश्य भारत के युवाओं को मुफ्त स्किल्स प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करना है। पीएम स्किल्स विकास योजना-यह भारत के युवाओं को 400 सेअधिक स्किल्स पाठ्यक्रम उपलब्ध कराकर रोजगार योग्य स्किल्स के साथ सशक्त बनाने के लिए 2021 की शुरूआत की गई है। पूर्व सीखने की मान्यताः इसे 2015 में व्यक्तियों द्वारा अर्जित पूर्व स्किल्स को पहचानने के लिए लॉन्च किया गया था। यह पीएमके वीवाई के प्रमुख घटकों में से एक है। इसके तहत एक निश्चित स्किल्स वाले या पूर्व सीखने के अनुभव वाले व्यक्तिको राष्ट्रीय स्किल्स योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अनुसार ग्रेड के साथ आरपीएल के तहत मूल्यांकन और प्रमाणित किया जाता है। राष्ट्रीय कैरियर सेवा परियोजनाः इसके साथ पंजीकृत नौकरी चाहने वालों के लिए अपनी राष्ट्रीय कैरियर सेवा (एनसीएस) परियोजना के माध्यम से मुफ्त ऑनलाइन कैरियर स्किल्स प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए 2015 में शुरू की गई ।कौशल प्रबंधन और प्रशिक्षण केंद्रों का प्रत्यायन (स्मार्ट): यह एकल खिड़की आईटी अनुप्रयोग प्रदान करता है जो स्किल्स पारिस्थितिकी तंत्र में प्रशिक्षण केंद्रों (टीसी) की मान्यता, ग्रेडिंग, संबद्धता और निरंतर निगरानी पर केंद्रित है ।आजीविका के लिए स्किल्स अधिग्रहण और ज्ञान जागरूकता (संकल्प): इसका ध्यान अभिसरण और समन्वय के माध्यम से जिला-स्तरीय स्किल्स पारिस्थितिकी तंत्र पर है। यह एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसे विश्व बैंक के साथ सहयोग किया गया है।

मानवता शर्मसार है पूर्णिया टेटगामा कांड से

कुमार कृष्णन

बिहार के पूर्णियां जिला मुख्यालय से लगभग 20 किमी दूर मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रजीगंज पंचायत के टेटगामा उरांव टोला में डायन होने की आशंका में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जला दिया गया और शव को एक पानी-क्षेत्र में जलकुंभी के नीचे दबा दिया गया।

डायन प्रथा की भेंट चढ़ गई पांच जिंदगी। पूर्णिया के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के टेटगामा गांव में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या कर दी गई, जिनमें तीन महिलाएं शामिल थीं। इस घटना में आरोपियों ने परिवार के सदस्यों को डायन बताकर पहले उनकी बेरहमी से पिटाई की और फिर जिंदा जला दिया। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक तांत्रिक भी शामिल है।

मुफस्सिल थाना क्षेत्र के रजीगंज पंचायत के टेटगामा उरांव टोला में डायन होने की आशंका में एक ही परिवार के पांच लोगों को जिंदा जला दिया गया और शव को एक पानी-क्षेत्र में जलकुंभी के नीचे दबा दिया गया। इस नरसंहार में बाल-बाल बचे परिवार के सदस्य सोनू (15वर्ष) ने भागकर अपनी जान बचाई। सोनू ने उस नरसंहार की आंखों देखी बताई तो पुलिस सक्रिय हुई और घंटो मशक्कत के बाद डॉग स्क्वाड की मदद से जले हुए शवो को जलकुंभी से बरामद किया गया।

मृतकों में परिवार का मुखिया बाबू लाल उरांव (40), पत्नी सीता देवी (35),बूढ़ी मां सातो देवी (65) ,बेटा मंजीत (25)और उसकी पत्नी रानी देवी(20)शामिल है। मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। घटना के बाद से गांव के सभी लोग फरार हैं और गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है।

पूर्णिया जिले के पूर्व प्रखंड स्थित टेटगामा गांव में उरांव जनजाति के करीब 50 परिवार निवास करते हैं, जिनकी जनसंख्या लगभग 300 है। इस गांव में अन्य जातियों के लोग भी रहते हैं। लेकिन उरांव समुदाय के लोग अधिकतर एक-दूसरे के पास रहते हैं। करीब दस दिन पहले रामदेव उरांव के एक बेटे की बीमारी के कारण मौत हो गई थी। उसके बाद दूसरा बेटा भी बीमार पड़ गया। इसी क्रम में रामदेव को संदेह हुआ कि उसके बेटे की मौत और दूसरे बेटे की बीमारी के पीछे किसी डायन का हाथ है। संदेह की सुई बाबूलाल की मां सातो देवी और उसकी पत्नी सीता देवी पर गई। रामदेव ने इन्हें जादू-टोना करने वाली महिलाएं यानी डायन घोषित कर दिया। गांववालों ने भी अंधविश्वास के चलते उनकी बात मान ली।

जिस पंचायत में बाबूलाल के परिवार की हत्या का फैसला लिया गया। उसमें इस बात को प्रमाण के तौर पर रखा गया कि ओझाओं की भी राय है कि बाबूलाल की मां और पत्नी डायन है।

आज भी आदिवासी समाज में झाड़-फूंक और ओझा-भगतों की बातों पर अंधविश्वास व्याप्त है। बीमारी होने पर डॉक्टर के पास जाने की बजाय लोग ओझाओं के पास जाते हैं, जो अक्सर बीमारी की जड़ डायन को बताते हैं। ओझा की कही हुई बात को अंतिम सत्य मान लिया जाता है। बताया जाता है कि जिस पंचायत में बाबूलाल के परिवार की हत्या का निर्णय लिया गया, वहां ओझाओं की राय को प्रमाण के रूप में प्रस्तुत किया गया। ओझाओं ने सातो देवी और उसकी बहू सीता देवी को डायन बताया, जिसके आधार पर यह अमानवीय फैसला लिया गया।

आदिवासी समाज में डायन प्रथा एक पुराना और खतरनाक अंधविश्वास है। किसी महिला को डायन घोषित करने के पीछे कई सामाजिक पूर्वाग्रह होते हैं. जैसे उम्रदराज होना, चेहरा विकृत हो जाना, बार-बार बुदबुदाना, क्रोधित स्वभाव, या अत्यधिक पूजा-पाठ में लिप्त रहना। सातो देवी इन सभी पूर्वाग्रहों पर खरा उतरती थीं। इसलिए उन्हें डायन मान लिया गया। समाज में यह मान्यता भी प्रचलित है कि डायन का ज्ञान एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानांतरित होता है। यही कारण रहा कि सातो देवी के साथ-साथ उनकी बहू सीता देवी और फिर उसकी बहू रानी देवी.. तीनों को डायन मानकर जिंदा जला दिया गया।

त्रासदी का सबसे भयावह पहलू यह है कि पीड़ित और अपराधी सभी एक ही समुदाय के थे। आपस में रिश्तेदार भी। लेकिन अशिक्षा, अंधविश्वास और सामाजिक कुंठाओं के अंधेरे में डूबी भीड़ ने रिश्तों, मानवता और कानून सब कुछ रौंद दिया। टेटगामा गांव की यह घटना इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है, जो यह बताती है कि जब अंधविश्वास हावी हो जाता है, तो इंसानियत दम तोड़ देती है। डायन प्रथा जैसे अमानवीय अंधविश्वास पर कानून के साथ-साथ समाज को भी सख्ती से चोट करनी होगी।

डायन हत्या और अंधविश्वास कहना काफी नहीं यह पूरे सिस्टम की विफलता है।

तत्काल इसे डायन हत्या और अंधविश्वास का मामला बता कर बिहार सरकार और वहां का प्रशासन अपनी आपराधिक लापरवाही से मुक्त नहीं हो सकता। यह पूरे सिस्टम की विफलता है और सुशासन बाबू के सुशासन की पोल खोलता है। आदिवासियों को अंधविश्वासी बताना आसान होता है। नये सिरे से उस समाज को पिछड़ा और अंधविश्वास की गिरफ्त में फंसा बताने का एक अवसर मिल जाता है अभिजात और तथाकथित विकसित और सभ्य होने का दावा करने वाले समाज को। अभी पूरे मामले की सही पड़ताल भी नहीं हुई है, लेकिन घटना स्थल से महज कुछ किमी दूर रहने वाली पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचते ही इसे डायन हत्या और आदिवासियों के अंधविश्वास का मामला बता कर अपनी तरह से राहत की सांस ले ली। डायन हत्या को लेकर कानून भी बनाया गया है। एक स्वयंसेवी संगठन ने वर्षों पहले इससे जुड़े सैकड़ों मामलों का अध्ययन किया था और अधिकतर मामलों में जमीन विवाद पाया था। यानि, किसी परिवार में एकल महिला रह गयी तो उसे डायन कह कर रास्ते से हटाने का षडयंत्र। परिवार में ही आपस में लड़ाई और किसी की नजर किसी की संपत्ति पर तो डायन घोषित कर उसे मारने का षडयंत्र। डायन घोषित करने का तरीका भी बहुत सीधा सादा है। गांव समाज में झाड़ फूंक से इलाज करने वाला, भगत होता है। सामान्यतः किसी की मौत, बच्चे की मौत हो जाती है। फिर भगत बताता है कि उसकी मौत की वजह कोई दुष्ट आत्मा या डायन के द्वारा किया गया जादू टोना है। वह उसकी तरफ संकेत भी कर देता है। और फिर जिसे डायन कहा गया, उस परिवार का उत्पीड़न शुरू हो जाता है।

राजनीति में पढ़ाई का महत्व है

संजय गोस्वामी

पढ़ाई किसी भी क्षेत्र में केवल शिक्षा ग्रहण नहीं करना है बल्कि हमें शिक्षक से गुणवान बनाता है जो जीवन में जरुरी है खासकर आज के तकनिकी युग में हालांकि चुनाव एक लोकतान्त्रिक प्रक्रिया है इसमें लागू नहीं होता है लेकिन यदि पढ़ा लिखा होगा तो भविष्य में उसे अवश्य ही काम आएगा मैं एक सेमिनार में मुख्य अथिति के रूप में 2016 में सिवनी गया जहाँ सभी डॉ थे और हमें उनके व्यवहार से ऐ सिखने को मिला पीच्डी आपके लिए काफी मायने रखती है हालांकि आर्ट और साइंस में करना उतना टफ नहीं है जितना इंजीनियरिंग में क्योंकि बीटेक ही एक टफ कोर्स है इंडिया में शिक्षा विदेशों से काफी बेहतर है जिसमें संस्कार को भी एक आदर्श के रूप में देखा जाता है यह हमें चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना में देखने को मिला जहाँ छात्र शिक्षक को पैर छूते नजर आए यही हमारी संस्कृति है जो बड़ो का सम्मान करना और सही वक़्तव्य देना उचित होता है जहाँ तक राजनीती का सवाल है अब उसमें भी पढ़े लिखें लोग शामिल हो रहें है जो पूर्व में आईएएस रहें हैं जैसे रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और राजीव प्रताप रूड़ी, केंद्रीय मंत्री डॉ जीतेन्द्र सिंह और राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी और शशि थरूर जैसे कई अनुभवी नेता हैं देश को चलाने के लिए मंत्रालय होता है और उसके लिए सरकार द्वारा चुनाव में जीते गए एमपी या राज्य सभा के सांसद होते हैं मंत्री पद भी उनकी योग्यता के अनुसार देने की कोशिश होती है जैसे स्वास्थ्य मंत्रालय में डॉ और न्याय मंत्रालय में एल एल बी होता है मंत्री के निचे 1या दो राज्य मंत्री होते हैं और उस मंत्रालय का सचिव जो आईएएस रैंक का या उस क्षेत्र से सम्बंधित उच्च संस्थान में निदेशक हो जैसे विज्ञान और प्रोधोगिकी मंत्रालय के सचिव प्रोफेसर अभय कराणदीकर जी है हैं जो आई आई टी, कानपुर के फॉर्मर डायरेक्टर थे इसी तरह अन्य विभाग में होता है उसे उस क्षेत्र की पूर्ण जानकारी होता है अतः वह विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व करता है अभी हाल ही में अमेरिका में यूक्रेन को हथियार के मदद में राष्ट्रपति ट्रम्प के आदेश के बाद भी रक्षा सचिव ने वहाँ से बापस मंगा लिया क्योंकि ऑडिट करना कारण बताया गया अतः सरकार सचिव के मामलों में दखल नहीं देती है क्योंकि वो कैबिनेट से चुने जाते है अतः यदि मंत्री पढ़ा लिखा होगा तो उस क्षेत्र का सही ज्ञान होगा और विदेश में किसी भी समझौता में बहुत सोच समझ कर जबाब देगा हाल ही में भारत में रक्षा के क्षेत्र में उप सेना प्रमुख राहुल आर. सिंह 4 जुलाई, 2025 को फिक्की द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में साफ कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में हम सिर्फ पाकिस्तान से नहीं बल्कि तीन फ्रंट पर लड़ाई कर रहें थे जिसमें पाकिस्तान के साथ तुर्की भी शामिल था इसमें सेना पर गर्व करना चाहिए कि सेना की ताकत और भविष्य में रक्षा कूटनीति की की नितांत आवश्यकता है और रूस से सम्बन्ध यदि ठीक नहीं है तो उसे सुधारने की जरुरत है इसलिए शायद सरकार ने शशि थरूर को रूस भेजा अमेरिका कभी मदद नहीं करेगा इसका पुराना इतिहास रहा है हालांकि इजराइल ने मदद की है जैसे अन्य स्रोत से मालूम हुआ है अतः भारत ने इसलिए ईरान और इजराइल के युद्ध में दुरी बना लीं अब विदेश नीति को सुधार करने की जरुरत है क्योंकि हम अभी भी रक्षा के मामले में आत्मनिर्भर नहीं है ऐ तो पूर्व प्रधानमंत्री अटलजी का 1998 में अमेरिका को ताक में रख कर परमाणु परीक्षण किया जिसका हवाला ट्रम्प ने दिया कि भारत में सीजफायर इसलिए कराया ताकि परमाणु युद्ध ना हो जाये और जब पता लगा की पाकिस्तान का परमाणु बम किसी और देश अमेरिका के नियंत्रण में है तो प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र के नाम पर पाकिस्तान को सीधा संदेश दिया कि परमाणु ब्लैक मेल नहीं चलेगी ऐसा भारत के इतिहास में पहली बार किसी प्रधानमंत्री जी ने राष्ट्र के नाम संदेश में दिया

आज का राशिफल

मेष जातकों के लिए दिन प्रतिस्पर्धात्मक रहने वाला है। अटके हुए काम पूरे होने से मन में संतोष रहेगा।

तुला कार्यक्षेत्र में आपकी बातचीत करने की कला आपकी सबसे बड़ी ताकत बनेगी।

वृषभ दिन पारिवारिक सुख लेकर आएगा। घर का माहौल अच्छा रहने से मनोबल बढ़ेगा।

वृश्चिक आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और रुका हुआ पैसा या प्रोजेक्ट पूरा होने से संतोष मिलेगा।

मिथुन भगवान की कृपा से व्यापार में अचानक बड़ा लाभ या नया कॉन्ट्रैक्ट मिल सकता है।

धनु आज खर्च घरेलू सुविधाओं पर बढ़ सकता है, जिससे बजट बिगड़ सकता है।

कर्क आज जातकों के लोगों के लिए ग्रहों की स्थिति बहुत फायदेमंद रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी इज्जत बढ़ेगी।

मकर आज कार्यक्षेत्र में अच्छे परिणाम मिलने से उत्साह बढ़ेगा। व्यवसाय में लाभ होगा।

सिंह आज दूसरों की मदद करने के लिए आगे आएंगे और परोपकारी कार्यों में खर्च कर सकते हैं।

कुंभ संसाधनों का समझदारी से इस्तेमाल करें, नहीं तो नुकसान हो सकता है।

कन्या बुजुर्गों की सेवा करने से पुण्य मिलेगा। व्यवसाय में ाप नए विचारों को साकार करने में सफल होंगे।

मीन आज दिन सुखद रहेगा, जिससे मनोबल बढ़ेगा। व्यापार में लाभ की स्थिति बन रही है।

विशेष

जेल नहीं अस्पताल जाएंगे बापू

इंदौर ईएमएस उम्र कैद की सजा काट रहे बापू आसाराम इन दिनों पेरोल पर बाहर हैं। शुक्रवार को वह अहमदाबाद से लौटकर इंदौर आए हैं। इंदौर में सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में उनकी जांच हुई है। 86 साल की उम्र में बापू का हार्ट कमजोर है। दिल की धमनियों में ब्लाकेज हैं। डॉक्टर ने उन्हें तनाव मुक्त रहने और खानपान सुधारने की सलाह दी है। उनकी एंजियोग्राफी पहले भी हो चुकी है। बापू की सांस फूल रही है। सीने में दर्द बना रहता है। ऐसी स्थिति में लगता है, बापू को अस्पताल में भर्ती करना पड़ेगा। बीमारी के कारण उनका पैरोल बढ़ना तय है।

नौकरी देने वाले नरेंद्र मोदी

शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 16वें रोजगार मेला का उद्घाटन किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 51000 युवाओं को जाब पत्र देकर सरकारी नौकरी में लगाया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि वह 2 दिन पहले ही पांच देशों की यात्रा करके लौटे हैं। आते ही उन्होंने बेरोजगारों को नौकरी देने का काम किया है। 2022 से रोजगार मेले में ही प्रधानमंत्री युवाओं को नौकरी का पत्र दे रहे हैं। देश के सभी राज्यों के बेरोजगारों को नौकरी देने का काम प्रधानमंत्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कर रहे हैं। रोजगार मेले के जरिए जो नौकरी बंटती हैं। उसके लिए ना कोई परीक्षा होती है,रोजगार मेले के लिए नौकरी देने के लिए युवाओं का चयन कर लिया जाता है। प्रधानमंत्री के हाथों जाब लेटर का बंटवा दिया जाता है। जिसके कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि नौकरी देने वाले प्रधानमंत्री के रूप में बन गई है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1601: आस्ट्रिया के आर्कड्यूक अल्बर्ट और स्पेनी फौजों ने ओस्टेंड की नाकेबंदी शुरू की. 1788: जबीता खान के बेटे गुलाम कादिर ने दिल्ली पर कब्जा किया. 1815: नेपोलियन ने ब्रिटेन के आगे हथियार डाल दिए और सेंटहेलेना द्वीप पर निर्वासित जीवन बिताने के लिए भेज दिया गया. 1822: तुर्की ने यूनान पर आक्रमण किया. 1909: फारस के शाद को गद्दी से हटा दिया गया. 1945: इटली ने जापान के खिलाफ जंग का ऐलान किया. 1948: सुरक्षा परिषद् ने फिलीस्तीन में युद्ध विराम का आदेश दिया. 1955: डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू को भारत रत्न से सम्मानित किया. 1958: दक्षिण अफ्रीका राष्ट्र संघ का पूर्ण सदस्य बना. 1968: अमरीका और सोवियत संघ के बीच सीधी विमान सेवा प्रारंभ हुई. 1974: साइप्रस में राष्ट्रपति मकारियोस को सेना ने सत्ता से हटा दिया.

दैनिक पंचांग

जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	05.34 बजे से
चंद्र	कुंभ में	सिंह	07.50 बजे से
मंगल	सिंह में	कन्या	10.02 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.12 बजे से
गुरु	मिथुन में	वृश्चिक	14.27 ब.से
शुक्र	वृष में	धनु	16.43 बजे से
शनि	मीन में	मकर	18.48 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	20.35 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.08 बजे से
राहुकाल		मेष	23.38 बजे से
3.00 से 4.30		वृष	01.18 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.16 बजे से

2025 वर्ष का 196 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि पंचमी 22.40 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 06.27 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 14.12 बजे को समाप्त।
करण कौलव 11.22 बजे तदनन्तर तैतिल 22.40 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 19.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 31'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872406
जूलियन दिन 2460871.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 19
विशेष मंगला गौरी व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दुनिया के खूबसूरत फूलों में गिना जाता है कृष्ण कमल

12 बजे अपने आप हो जाता है बंद

इस फूल को देखकर आप भी चौंक जाएंगे. दरअसल एक ही फूल में पूरा महाभारत समेत ब्रह्मा विष्णु महेश भी समाहित है. कहा जाता है कि इसमें 108 अंग होते हैं. ऐसा कहा जाता है भगवान शिव को इस पुष्प का अर्पण करने से 108 बार का फल प्राप्त होता है...

यह फूल दिखने में काफी खूबसूरत लगता है. नीचे जो बैंगनी रंग की पंखुड़ियों को देख रहे होंगे उनकी संख्या 100 हैं जिन्हें कौरव कहा जाता है.

इस फूल के ऊपरी हिस्से में जो उजला रंग नजर आ रहा है वह बीज है जिसे पांडव कहते हैं. एक ही फूल में पूरा परिवार समाहित हैं. इसमें कुल भाग 108 होते हैं. इस फूल में कुल 108 भाग होते हैं. जिसमें 100 कौरव, 5 पांडव व तीन छोटे छोटे पिंड हैं, वह ब्रह्मा, विष्णु, महेश के प्रतीक हैं. इस फूल को कई नाम से जाना जाता है, कहीं इसे कृष्ण कमल, कौरव पांडव समेत अन्य नाम से जाना जाता है. यह दो रंग में होता है. इसके फूल बैंगनी व लाल दोनों होते हैं.

यह फूल दुनिया के खूबसूरत फूलों में गिना जाता है. यह पुष्प दिन के 12 बजे खुद ब खुद बंद हो जाता है. यह सबसे अधिक उत्तराखंड की घाटियों में पाया जाता है. ऐसा कहा जाता है कि इस फूल से अभिषेक करने से 108 बार का फायदा मिलता है.

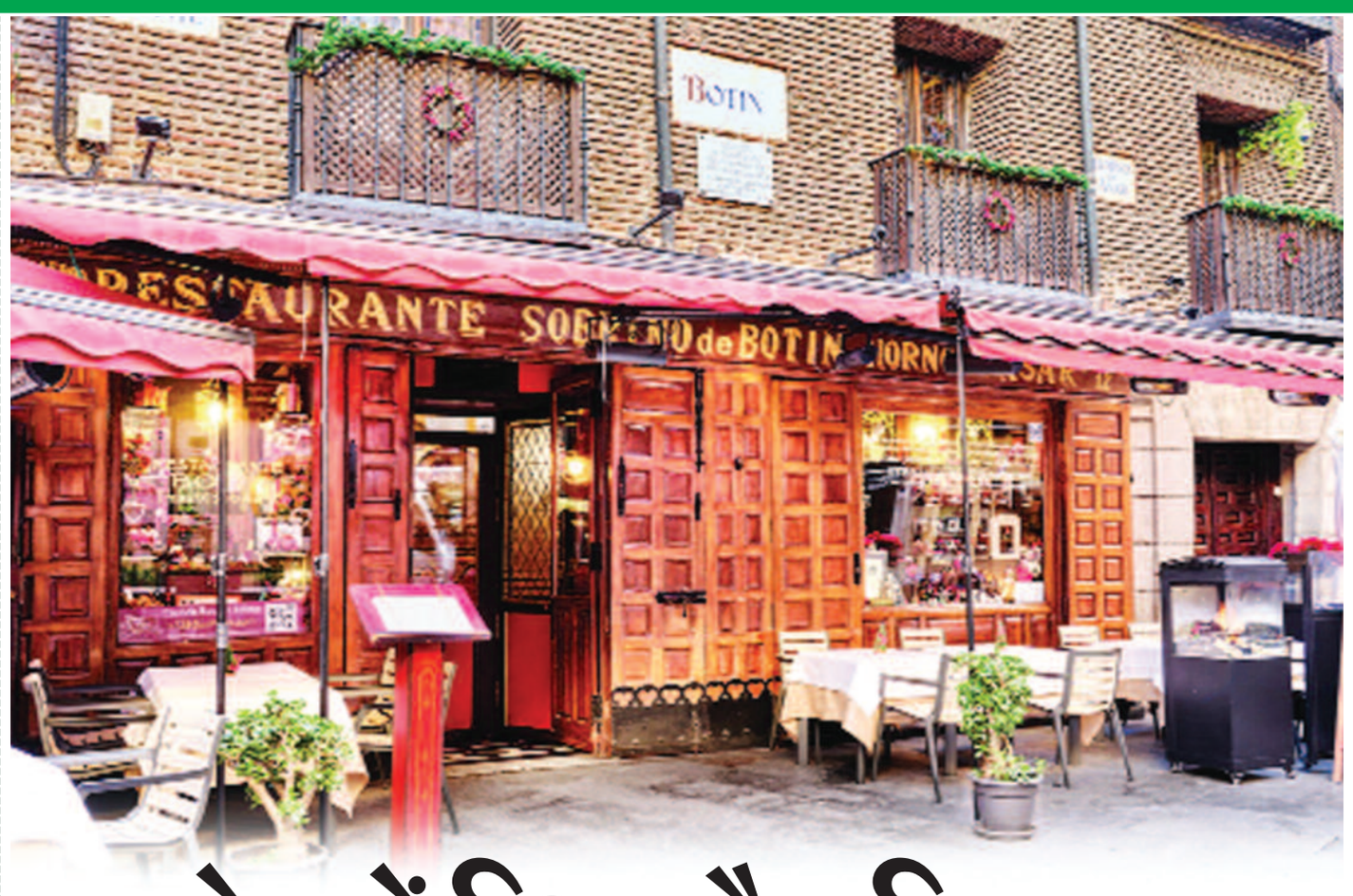

स्पेन में स्थित है दुनिया का सबसे पुराना और अनोखा रेस्तरां

स्पेन एक ऐसा देश है जहां हर दिन लाखों टूरिस्ट पहुंचते हैं. यह देश अपने कल्चर, खूबसूरत लैंडस्केप, टेस्टी फूड्स, और ऐतिहासिक इमारतों के लिए फेमस है. लेकिन यहां के एक रेस्टॉरेंट की चर्चा दुनिया भर में होती है. यह अपने आप में बहुत खास है. इसका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में भी शामिल है.दुनिया का सबसे पुराना रेस्तरां भी स्पेन में है? जी, हां स्पेन की राजधानी मैड्रिड में स्थित सोब्रिनो डी बोटिन नाम का यह रेस्तरां साल 1725 से लगातार लोगों को स्पैनिश कुजिन का स्वाद चखा रहा है. इसका नाम गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है.

मैड्रिड 7 स्पेन के मैड्रिड शहर में एक अनोखा रेस्तरां स्थित है। यह दुनिया का सबसे पुराना रेस्तरां माना जाता है। इसका नाम सोबिनो डी बोटिन है। इस रेस्तरां की शुरुआत साल 1725 में हुई थी। इसकी खास बात यह है कि यह रेस्तरां तब से लेकर आज भी उसी जगह पर संचालित किया जा रहा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने इस रेस्तरां को दुनिया का सबसे पुराना लंबे समय तक चलने वाला रेस्तरां घोषित किया हुआ है। इसकी खास बात यह है कि कोराना महामारी के भीषण दौर व स्पैनिश ग्रह युद्ध के दिनों में भी यह रेस्तरां बंद नहीं हुआ था।

1590 में बनी इमारत में हुई शुरुआत

इस रेस्तरां की शुरुआत फ्रांसिसी शेफ जीन बोटिन और उनकी पत्नी ने की थी। शुरुआत में इसका स्वरूप एक छोटी सराय या विश्राम ग्रह की तरह हुआ करता था। तब इस रेस्तरां का नाम कासा बोटिन हुआ करता था। जिस इमारत में यह रेस्तरां शुरू किया गया था, वह इमारत 1590 में तैयार हुई थी। खास बात यह है कि शुरुआत में इस रेस्तरां में किसी तरह का खाना नहीं बेचा जाता था। ठहरने के लिए आने बाले पर्यटक अपने साथ लाया खाना यहां खा सकते थे। यहां तक कि उन्हें सराय के परिसर में खाना पकाने की अनुमति भी थी। समय के साथ इसका स्वरूप बदला और यह रेस्तरां के रूप में अपनी सेवाएं देने लगा।

20वीं सदी में आया इसकी ऑनरशिप में बदलाव

जीन बोटिन की कोई संतान नहीं थी। इसलिए इस रेस्तरां का संचालन साल 1753 में बोटिन के भतीजे के जिम्मे आ गया था। तब रेस्तरां का नाम बदलकर सोबिनो डी बोटिन पड़ा था, जिसका अर्थ बोटिन का भतीजा होता है। आज भी यह रेस्तरां इसी नाम से चलाया जा रहा है। 20वीं शताब्दी में इस रेस्तरां की ऑनरशिप में बड़ा बदलाव आया था। इसके इंटीरियर में भी कई बदलाव किए गए थे और इस रेस्तरों को गोंजालिज परिवार ने खरीद लिया था। उवज भी इसका मालिकाना हक उन्हीं के पास है। आज यह रेस्तरां चार फ्लोर पर चलाया जा रहा है। यहां 70 से ज्यादा लोग काम करते हैं और यहां 200 लोगों के बैठने की व्यवस्था की जा सकती है। बोटिन रेस्तरां अपने केस्टेलिन फूड के लिए मशहूर है। इस रेस्तरां में पुलित्जर विजेता अर्नेस्ट हेमिंग्वे के लिए एक टेबल हमेशा रिजर्व रहती है। उनका इस रेस्तरां से अच्छा लगाव था। बोटिन रेस्तरां के खाने में स्पैनिश कल्चर का हमेशा ध्यान रखा जाता है। यहां लंच करने के बाद स्थानीय लोग लंबे समय तक आपस में बात करते रहते हैं। ये उनके कल्बर का हिस्सा है। रेस्तरां सप्ताह के सातों दिन दोपहर एक बजे से रात के 11.30 बजे तक खुलता है।

टैक्स से बचने के लिए 14वीं सदी में बने थे कोन शेप्ड घर

इटली के पुगलिया शहर में कोन शेप्ड घर बनाए गए हैं। इन घरों को ट्रूली हाउसेज कहा जाता है। इन घरों को बनाए जाने के पीछे एक रोचक कहानी है। इन घरों को 14वीं शताब्दी के मध्य में स्पैनिश राजा द्वारा घरों पर लगाए गए टैक्स से बचने के मकसद से बनाया गया था। दरअसल इन घरों को ड्राय कंस्ट्रक्शन मैथड से तैयार किया गया है। इन्हें बनाने में खास पत्थरों को आपस में चूना पेस्ट से जोड़कर बनाया गया है। ऐसे में जब कभी टैक्स इंस्पेक्टर टैक्स वसूलने आया करते थे तो लोग अपनी पत्थरों से बनी छत को गिरा देते थे। जिस घर पर छत न हो उसे तकनीकी रूप से घर नहीं माना जाता था। इसलिए लोग टैक्स से बच जाते थे। इंस्पेक्टर के जाने के बाद लोग पत्थरों को जोड़कर फिर से छत तैयार कर लिया करते थे। कांक्रीट या मिट्टी के स्थान पर चूना पेस्ट व पत्थरों से बने घरों को तैयार होने में कम समय लगता है। इन घरों को संयुक्त राष्ट्र ने विश्व विरासत स्थलों की सूची में रखा है।

नीदरलैंड्स में है दुनिया का सबसे बड़ा मानव निर्मित द्वीप

नीदरलैंड्स का फ्लेवोपोल्डर आइलैंड दुनिया का सबसे बड़ा मानव निर्मित आइलैंड है। यह आइलैंड करीब 1000 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। इस आइलैंड का निर्माण साल 1916 में शुरू हुआ था और 1986 तक चला। इस आइलैंड को बनाने के लिए साल 1932 में एक डैम का निर्माण भी करना पड़ा। लोगों को रहने की जगह और कृषि भूमि मुहैया कराने के मकसद से इसे बनाने की शुरुआत हुई थी। आज इस द्वीप पर 4 लाख लोग निवास करते हैं।

इस वजह से गोल ही होता है कुआं

दुनिया में कई चीजे कई सालों से चली आ रही होती है. वह ऐसी क्यों होती है अक्सर हमें इस बारे में नहीं मालूम होता. जैसे किसी चीज का साइज या शेप उस तरह से क्यों है जैसा है. क्या उसके वैसे होने में कोई ठोस कारण छुपा हुआ है. जैसे अक्सर लोग सवाल पूछते हैं. पृथ्वी गोल क्यों होती है. चांद गोल क्यों नजर आता है. और भी तरह के सवाल. ऐसे ही लोगों के मन में एक सवाल आता है. चलिए पृथ्वी और चांद का शेप तो इंसान बस में नहीं था. लेकिन कुएं का निर्माण तो इंसान ने किया था. उसका शेप गोल क्यों किया गया.

कुएं को जब बनाया जाता है तो जमीन भर गड्ढा करके बनाया जाता है. गोल शेप में गड्ढा करना हमेशा से आसान रहा है. बजा है स्क्वायर शेप में करने के. जब हम ड्रिल मशीन से घर में छेद करते हैं आपने देखा होगा वह छेद गोल शेप में होते हैं. ऐसे ही जब कुएं की ड्रिलिंग की जाती है. तब उसकी शेप भी गोल हो जाता है. दूसरी वजह यह है कि अगर कुएं को स्क्वायर शेप में बनाया गया. तो कुएं के अंदर मौजूद पानी उसके चारों कोनों में प्रेशर अप्लाई करेगा. जिससे कुआं कमजोर हो सकता है और इसकी दीवारें कमजोर हो सकती है. कुओं के गोल होने के चलते पानी दीवारों पर प्रेशर ज्यादा अप्लाई नहीं कर पाता. जिस वजह से कुएं काफी समय तक चलते हैं.

लिक्विड भरने के सभी बर्तन होते हैं गोल

पानी लिक्विड होता है और घरों में पानी भरने के जो भी बर्तन होते हैं. अगर आपने गौर किया होगा तो सब का शेप गोल होता है. जिसमें गिलास, कटोरी, प्लेट, खाली, बाल्टी सब गोल होते है. यहां भी वही नियम है अगर इनका शेप स्क्वायर यानी चौकोर होगा तो कोने खराब होने का चांस ज्यादा रहता है. कुआं गोल होता है तो उसकी मिट्टी भी काफी समय तक अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखती है. चौकोर कुएं की मिट्टी कोनों से धंसने लगती है.

वेदांता पर अमेरिकी शॉर्ट-सेलर का नया हमला

एजीएम पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका की वायसरॉय रिसर्च ने वेदांता की वार्षिक आम बैठक की आलोचना की है। उनका कहना है कि यह बैठक पूरी तरह से स्टेज मैनेज्ड थी। निवेशकों के सवालों को न तो ठीक से प्रोत्साहित किया गया और न ही उनके सवालों का सार्थक जवाब दिया गया। दूसरी ओर, भारतीय प्रॉक्सी सलाहकार कंपनी इनगवर्न ने कहा है कि वेदांता समूह का ढांचा, जहां होल्डिंग कंपनियां अपनी सहायक कंपनियों से आने वाली नकदी का इस्तेमाल करती हैं, पूरी तरह वैध और आम बात है। उन्होंने कहा कि यह ढांचा खासकर पूंजी-गहन उद्योगों जैसे बुनियादी ढांचा, प्राकृतिक संसाधन और उपयोगिताओं में आम है। इनगवर्न ने भारत के अडाणी समूह, टाटा समूह और

रिलायंस इंडस्ट्रीज तथा वैश्विक कंपनियों ग्लेनकोर और एंग्लो अमेरिकन जैसे उदाहरण भी दिए।

शॉर्ट-सेलर रिपोर्ट्स पर चेतावनी- इनगवर्न ने कहा कि शॉर्ट-सेलरों की रिपोर्टें अब बाजार के लिए बड़ी घटना बन गई हैं और अक्सर उनके बाद शेयरों में काफी उछाल-गिरावट आती है। इसलिए जरूरी है कि हितधारक इन रिपोर्टों को सही परिप्रेक्ष्य में देखें। उन्होंने कहा कि वायसरॉय जैसी शॉर्ट-सेलर रिपोर्टें अक्सर उन कंपनियों के अपने फायदे को दर्शाती हैं और सार्वजनिक आंकड़ों के नकारात्मक पहलुओं पर ज्यादा जोर देती हैं।

भारत के पास अमेरिकी रसायन बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने का सुनहरा मौका

एसबीआई की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पास अमेरिका को रासायनिक निर्यात बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है, अगर भारत अमेरिका के साथ 25 प्रतिशत से कम टैरिफ पर बातचीत करने में सफल हो पाए। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार चीन और सिंगापुर के वर्तमान बाजार के एक हिस्से पर भारत कब्जा कर सकता है और अमेरिकी रासायनिक निर्यात में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकता है।

इसमें कहा गया कि अगर भारत इन दोनों देशों के रासायनिक निर्यात का मात्र 2 प्रतिशत हिस्सा हासिल कर लेता है, तो अपनी जीडीपी में 0.2 प्रतिशत की वृद्धि कर सकता है।

जापान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया के 1 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा – इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया कि भारत को जापान, मलेशिया और दक्षिण कोरिया जैसे अन्य देशों से भी लाभ मिल सकता है। इन्हें अभी भारत की तुलना में अधिक टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है। अगर भारत इन तीन देशों से अमेरिकी रासायनिक आयात बाजार का 1 प्रतिशत हिस्सा भी हासिल कर लेता है, तो भारत के जीडीपी में 0.1 प्रतिशत की अतिरिक्त वृद्धि हो सकती है।

बढ़ ही रहा है एंथम बायोसाइंसेज आईपीओ का जीएमपी

मुंबई, एजेंसी। बेंगलुरु की एक कंपनी है एंथम बायोसाइंसेस यह दवाइयों से जुड़े रिसर्च, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग का काम करती है। इसे सीआरडीएमओ भी कहते हैं। एंथम बायोसाइंसेस का आईपीओ कल यानी 14 जुलाई को ही खुल चुका है। इसमें आप कल यानी 16 जुलाई तक आवेदन दे सकते हैं।

- **पहले दिन ही 77 फीसदी भर गया**- नेशनल स्टॉक एक्सचेंजपर उपलब्ध जानकारी के अनुसार यह पहले दिन ही करीब 77 फीसदी भर चुका है। इसके 33.83 मिलियन शेयरों के लिए बिड आए हैं जबकि इसका इश्यू साइज 4.4 मिलियन शेयरों का है। इसमें एनआईआई के लिए रिजर्व हिस्से में 1166 फीसदी, रिटेल कोटे में 0.61 फीसदी और क्यूआईबी कोटे में 37 फीसदी बिड

आए हैं। आईपीओके लिए शेयर की कीमत 540 से 570 रुपये के बीच तय की गई है। आपको कम से कम 26 शेयर खरीदने होंगे। जहां तक इसके जीएमपी की बात है तो आईपीओ खुलने से पहले इसका ग्रे मार्केट प्रीमियम, इश्यू प्राइस से लगभग 18 प्रतिशत ऊपर था। आज यह और बढ़ कर 20.35 फीसदी पर चला गया। इसका मतलब है कि लोग शेयर को तय कीमत से ज़्यादा पर खरीदने को तैयार हैं।

कब शुरू हुई है कंपनी

एंथम बायोसाइंसेस साल 2006 में शुरू हुई थी। यह फार्मा इंडस्ट्री में एक खास तरह का काम करती है। यह दवाइयों की रिसर्च, डेवलपमेंट और मैन्युफैक्चरिंग जैसी सभी सेवाएं देती है। भारत में कुछ ही सीआरडीएमओकंपनियां हैं जो छोटे मॉलिक्यूल (केमिकल बेस्ड) और बड़े मॉलिक्यूल (बायोलॉजिक्स) दोनों पर काम करती हैं। एंथम बायोसाइंसेस उनमें से एक है।

खास मॉडल पर काम करती है

कंपनी का एक खास मॉडल है जिसे [illegible] यानी फी-फॉर-सर्विस कहते हैं। इससे कंपनी को दुनिया भर की छोटी और मध्यम आकार की बायोटेक कंपनियों को अपनी सेवाएं देने में मदद मिलती है।

ग्लोबल बॉडी से मिला है अप्रूवल

कंपनी की फैसिलिटीज [illegible] के नियमों का पालन करती हैं। इन्हें यूएसएफडीए, एएनवीएसए, टीजीए और पीएमडीए जैसी ग्लोबल रेगुलेटरी बॉडीज से अप्रूवल मिला हुआ है। कंपनी अपनी क्षमता बढ़ाने पर ध्यान दे रही है। यह फर्मेंटेशन और सिंथेसिस कैपेसिटी को बढ़ा रही है ताकि भविष्य में कॉम्प्लेक्स बायोलॉजिक्स और स्पेशलिटी इंग्रेडिएंट्स की डिमांड को पूरा किया जा सके।

आपको सब्सक्राइब करना चाहिए

अब सवाल यह है कि क्या आपको इस आईपीओ में पैसा लगाना चाहिए आनंद राठी और केनरा बैंक सिक्योरिटीज ने इस इश्यू को सब्सक्राइब करने की सलाह दी है। इसका मतलब है कि उनका मानना है कि आपको इस आईपीओ में निवेश करना चाहिए। एनालिस्ट्स का कहना है कि एंथम बायोसाइंसेस की इंडस्ट्री में अच्छी पोजीशन है, कंपनी की रेवेन्यू विजिबिलिटी अच्छी है और इसका बिजनेस मॉडल हाई-मार्जिन वाला है।

रेलवे को मिला 26,406,974,27 रुपये का 'कवच' ऑर्डर

शेयरों में करीब 4 प्रतिशत की तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। रेलटेल कॉरपोरेशन शेयरों की कीमतों में आज करीब 4 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह 264 करोड़ रुपये का मिला नया वर्क ऑर्डर है। कंपनी ने इस वर्क ऑर्डर की जानकारी 14 जुलाई को एक्सचेंज के साथ साझा किया है। बीएसई में यह स्टॉक 415 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 3.85 प्रतिशत की तेजी के साथ 425.50 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। कंपनी के शेयर सुबह 10.15 मिनट पर 418 रुपये के रेंज में ट्रेड कर रहे थे।

क्या मिला है वर्क ऑर्डर

रेलटेल कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया है कि उन्हें 26,406,974,27 रुपये का काम मिला है। यह काम कंपनी को ईस्ट सेंट्रल रेलवे से मिला है। कंपनी ने बताया है कि 607 किलोमीटर के लिए उन्हें कवच ट्रैक तैयार करना है। इस काम को पूरा करने के लिए रेलटेल कॉरपोरेशन के पास 2 साल का समय है। बीते 3 महीने कंपनी के लिए शेयर बाजार में काफी शानदार रहे हैं। इस दौरान स्टॉक का भाव 36 प्रतिशत चढ़ा है। जबकि सेंसेक्स इंडेक्स इस दौरान 7 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न देने में सफल रहा है। इस तेजी के बावजूद भी एक साल में कंपनी के शेयर 27 प्रतिशत टूट चुके हैं। कंपनी का 52 वीक हाई 607.85 रुपये और 52 वीक लो लेवल 265.30 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 13,439 करोड़ रुपये का है।

लगातार डिविडेंड दे रही है कंपनी

रेलटेल कॉरपोरेशन उन कंपनियों में से एक है जो लगातार निवेशकों को डिविडेंड दे रही है। कंपनी ने आखिरी बार निवेशकों को इसी साल अप्रैल के महीने में डिविडेंड दिया था। तब कंपनी ने एक शेयर पर एक शेयर डिविडेंड दिया था।

उससे पहले नवंबर के महीने में कंपनी ने एक शेयर पर एक रुपये का डिविडेंड दिया था।

अगले 10 वर्षों में 10 लाख करोड़ डॉलर की जीडीपी बनेगा भारत

गोल्डमैन सैश ने जताई यह संभावना

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भू-राजनीति में जैसे-जैसे आगे बढ़ेगी, भारत के लिए अपार अवसर उपलब्ध होंगे। भारत अपनी सहायक आर्थिक नीतियों और अन्य प्रयासों से अगले दशक में 10 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। गोल्डमैन सैश की भारत में सह-अध्यक्ष गुंजन समदानी ने सोमवार को कहा, देश जब 10 लाख करोड़ डॉलर के करीब पहुंच जाएगा, तब वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) भारतीय अर्थव्यवस्था में 0.5 लाख करोड़ डॉलर का सकल मूल्यवर्धन कर सकेंगे।

साथ ही, 2-2.5 करोड़ लोगों को रोजगार भी प्रदान करेंगे। गुंजन ने सीआईआई जीसीसी शिखर सम्मेलन में कहा, अभी से 2035 के बीच वैश्विक विकास में उभरते बाजारों का 65 फीसदी योगदान होगा। भारत एक उज्वल स्थान है और हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के साथ अगले दशक में 10 लाख करोड़ डॉलर के करीब पहुंच जाएंगे।

- **भारत के पास वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर**-गोल्डमैन सैश की सह-अध्यक्ष ने कहा, भारत के पास ऐसे समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर है, जब दुनियाभर के बाजार फिर से व्यापार संतुलन स्थापित करने, आपूर्ति शृंखला से जुड़ी समस्याओं और कईदेशों में चल रहे तनावों समेत कई जटिल चुनौतियों से जूझ रहे हैं।

कई वैश्विक रुझानों का लाभ उठाने के लिए तैयार भारत

गुंजन ने कहा, भारत एक साथ कई वैश्विक रुझानों का लाभ उठाने के लिए रणनीतिक रूप से तैयार है। जनसांख्यिकीय लाभांश, अग्रणी एसटीईएम स्नातक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिशन से समर्थित प्रतिभाशाली एआई कौशल भारत के पक्ष में काम करेंगे और उसे इनका लाभ मिलेगा।

2025 तक 4.92 लाख करोड़ से अधिक होगा वैश्विक प्रौद्योगिकी खर्च

गोल्डमैन सैश की कार्यकारी ने कहा, एआई वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में सबसे आकर्षक परिवर्तनकारी अवसर का प्रतिनिधित्व करता है। एआई, ऑटोमेशन और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देने वाले नवाचार केंद्रों के रूप में विकसित जीसीसी क्षेत्र वैश्विक रुझानों से लाभान्वित होगा। वैश्विक प्रौद्योगिकी खर्च 2025 तक 4.92 लाख करोड़ डॉलर से अधिक होगा।

115000 पर पहुंची चांदी फिर भी सोने के मुकाबले अब भी सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदी ने पिछले कुछ महीनों में सोने के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है, यानी सोने और चांदी का अनुपात घटा है। आज एक औंस सोना खरीदने के लिए लगभग 86 औंस चांदी चाहिए, जबकि पिछले 10 सालों का औसत 80 औंस था।

फिर भी, ऐतिहासिक रूप से देखें तो चांदी सोने के मुकाबले अब भी काफी सस्ती है। सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतें 5,000 रुपये के जोरदार उछाल के साथ 1,15,000 रुपये प्रति किलोग्राम के नए शिखर पर पहुंच गई।

पीटीआई के मुताबिक चांदी की कीमतें बढ़कर घरेलू बाजार में नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी लगभग 14 साल के उच्चतम स्तर पर है। यह तेजी सोने के विकल्पों के प्रति निवेशकों की रुचि में बदलाव के कारण है। बढ़ती शुल्क संबंधी अनिश्चितता, रूस-यूक्रेन युद्ध के बढ़ने की संभावना और ईटीएफ निवेशकों व केंद्रीय बैंकों की विविधीकरण की बढ़ती मांग के कारण सोने में फिर से तेजी आई है।

- **डॉलर की ताकत, चांदी पर असर**- अमेरिकी बाजार के समय में जैसे ही डॉलर मजबूत हुआ, चांदी की कीमत में 0.8 प्रतिशत तक की गिरावट आ गई। दरअसल, चांदी जैसी कीमती धातु की कीमत डॉलर में तय होती है। इसलिए जब डॉलर मजबूत होता है, तो विदेशी निवेशकों के लिए चांदी खरीदना महंगा हो जाता है और उसकी मांग घटती है।
- **ट्रंप का टैरिफ हथियार फिर चमका**- राष्ट्रपति ट्रंप ने पिछले हफ्ते मेक्सिको और यूरोपीय संघ पर नए आयात शुल्क (टैरिफ) की धमकी दी। उन्होंने कहा कि यदि 1 अगस्त तक बेहतर व्यापार शर्तों पर बात नहीं बनी, तो मेक्सिको और यूरोपीय देशों पर 30 प्रतिशत का टैरिफ लगेगा। यह कदम अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हलचल पैदा कर गया।
- **चांदी की किल्लत**- ब्लूमबर्ग के मुताबिक दुनिया भर में चांदी की असली आपूर्ति कम हो रही है और इसकी मांग बढ़ रही है, जिसकी वजह से चांदी की कीमत पहले 39 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गई थी।

घाटा कम, मार्जिन बढ़ा, ओला इलेक्ट्रिक का शेयर दो दिन 22 पर्सेंट चढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। ओला इलेक्ट्रिक के शेयर मंगलवार, 15 जुलाई को लगातार दूसरे दिन भी तेजी के साथ खुले। हैरानी की बात यह है कि कंपनी ने इसी साल की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में ?428 करोड़ का घाटा दिखाया। फिर भी निवेशक खुश हैं, क्योंकि पिछली तिमाही (जनवरी-मार्च) के मुकाबले यह घाटा कम हुआ है। बता दें अगस्त 2024 में अपने आईपीओ के बाद से ओला इलेक्ट्रिक के शेयरों में उतार-चढ़ाव देखा गया है। यह शेयर अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर से 72 प्रतिशत गिरकर एनएसई पर ?43.16 के ऑल टाइम लो पर पहुंच गया था।

घाटे में सुधार क्यों है अहम

पिछली तिमाही में घाटा ?870 करोड़ था, जो अब घटकर ?428 करोड़ रह गया। जून तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू ?828 करोड़ हो गया, जो मार्च तिमाही के ?611 करोड़ से ज्यादा है। जून में पहली बार कंपनी मुनाफे की स्थिति में पहुंची। ग्रॉस मार्जिन भी रिकॉर्ड 25.6 प्रतिशत रहा।

भविष्य की रणनीति- ओला ने इस साल के लिए 3.25-3.75 लाख वाहन बेचने और ?4200-4700 करोड़ राजस्व का लक्ष्य रखा है।

सरकारी सहायता- उत्पादन से जुड़ी सब्सिडी मिलने से दूसरी तिमाही से मार्जिन 35-40 प्रतिशत तक पहुंचने की उम्मीद है।

नई तकनीक- रेयर-अर्थ-फ्री मोटर्स से आपूर्ति श्रृंखला की चिंता कम हुई, जिससे मेक इन इंडिया योजना को बल मिला।

शेयरों में कितनी तेजी?

आज शुरुआती कारोबार में शेयर ?48.88 के स्तर तक पहुंचे। इस दौरान ओला ने 4 प्रतिशत की छलांग लगाई। कंपनी के नतीजे घोषित होने के बाद शेयर 18 प्रतिशत चढ़े। दो दिन में कुल उछाल 22 प्रतिशत रही।

कचरे से बना दिया 1 करोड़ का ब्रांड

परिवार टेंशन में था कि आगे क्या करेगी छोरी...

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की फैशन डिजाइनर अशिता सिंघल ने कमाल का काम किया है। उन्होंने कचरे से फैशन ब्रांड बनाया है। इस ब्रांड का टर्नओवर 1 करोड़ रुपये से ज्यादा का है। यह ब्रांड डिजाइनरों और कारीगरों के फेंके गए टेक्सटाइल कचरे से टिकाऊ कपड़े बनाता है। इससे लाखों लीटर पानी की बचत होती है। अशिता ने 2018 में 20 लाख रुपये की पूंजी से अपनी कंपनी पैवंद स्टूडियो प्रा. लि. की शुरुआत की थी। अशिता ने इसके जरिये सिर्फ कारोबारी सफलता ही नहीं, बल्कि समाज और पर्यावरण के लिए भी बहुत बड़ा योगदान दिया है। पिछले कुछ सालों में कंपनी ने 30,000 किलो टेक्सटाइल कचरे का दोबारा इस्तेमाल किया है। आइए, यहां अशिता सिंघल की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

पढ़ाई के दौरान आया आइडिया – अशिता सिंघल दिल्ली के एक अपर मिडिल-क्लास परिवार से आती हैं। उनके पिता इलेक्ट्रिक वायर और केबल का बिजनेस करते हैं। मां हाउसवाइफ

हैं। वह अपने परिवार में सबसे छोटी हैं। उनका एक बड़ा भाई है जो फैमिली बिजनेस में है और एक बहन है जो होममेकर है। अशिता ने 2018 में 20 लाख रुपये के शुरुआती निवेश के साथ पैवंद स्टूडियो प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की थी। उन्हें इसका ख्याल तब आया जब उन्होंने फैशन डिजाइन की पढ़ाई के दौरान कपड़े के उत्पादन में होने वाले भारी अपशिष्ट को देखा। यह देखकर कि मूल्यवान कपड़े के टुकड़े और स्क्रैप लैंडफिल में फेंक दिए जाते हैं, उन्होंने इस समस्या का समाधान करने का फैसला किया।

ये है बिजनेस मॉडल

ब्रांड का बिजनेस मॉडल अपसाइक्लिंग और पारंपरिक भारतीय शिल्प कौशल के अद्वितीय मिश्रण पर आधारित है। अशिता डिजाइनर, ब्रांडों और संगठनों से टेक्सटाइल वेस्ट (कपड़ा अपशिष्ट) जुटाती हैं। फिर उसे हथकरघा बुनाई, हाथ की कढ़ाई और पैचवर्क जैसी तकनीकों का इस्तेमाल करके नए, डिजाइनर कपड़ों में बदल देती हैं। ये कपड़े फैशन डिजाइनर, इंटीरियर डेकोरेटर और होटल अलग-अलग उद्देश्यों से उपयोग करते हैं। इनकी कीमत 1,000 से 4,000 रुपये प्रति मीटर होती है। अब तक उन्होंने 50,000 मीटर से अधिक पुनरुत्पादित कपड़े बेचे हैं। यह प्रक्रिया न केवल अपशिष्ट को कम करती है, बल्कि यह भी सुनिश्चित करती है कि कोई नया पानी या रसायन उत्पादन में उपयोग न हो, जिससे पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव न्यूनतम हो।

ऐसे हुआ कारोबार का वस्तिार

ग्रेजुएशन के बाद अशिता ने नोएडा में 2000 वर्ग फीट में स्टूडियो की स्थापना की। इसमें शुरू में दो हथकरघा और पांच कर्मचारी थे। आज, स्टूडियो 7000 वर्ग फीट में फैल गया है। इसमें 12 हथकरघा और 35 कर्मचारी हैं। उनकी टीम डिजाइनर, कारीगरों, निर्यात घरानों और कबाड़ियों से कपड़ा अपशिष्ट जुटाती है। इसे रंग और कपड़े के अनुसार अलग किया जाता है, धोया जाता है, स्ट्रिप्स में काटा जाता है और फिर हथकरघा पर बुना जाता है। उनका 80 प्रतिशत व्यवसाय बी2बी (बिजनेस-टू-बिजनेस) श्रेणी से आता है। इसमें फैशन डिजाइनर, इंटीरियर डेकोरेटर और होटल शामिल हैं। उन्होंने बी2सी (बिजनेस-टू-कंज्यूमर) श्रेणी में भी विस्तार किया है। यह विस्तार न केवल उनके व्यवसाय को बढ़ाता है, बल्कि बुनकरों और कारीगरों के लिए स्थायी आजीविका के अवसर भी पैदा करता है। अशिता सिंघल की कहानी भारतीय फैशन उद्योग में स्थिरता और नवाचार की प्रेरणा है। यह दर्शाती है कि कचरा प्रबंधन और फैशन एक साथ चल सकते हैं। इससे एक सफल और स्थायी भविष्य बन सकता है।

14 साल बाद फिर से बोनस शेयर दे रही है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। 14 साल के बाद अशोक लेलैंड लिमिटेड एक बार फिर से एक्स-बोनस ट्रेड करने जा रहा है। कंपनी एक शेयर पर एक शेयर बोनस दे रही है। कंपनी ने बोनस के लिए तय रिकॉर्ड डेट कल यानी 16 जुलाई को है।

16 जुलाई को है रिकॉर्ड डेट- एक्सचेंज को दी जानकारी में कंपनी ने बताया है कि एक शेयर पर एक शेयर बोनस दे रही है। इस बोनस इश्यू के लिए कंपनी ने 16 जुलाई की तारीख को रिकॉर्ड डेट तय किया है। ऐसे में अगर बोनस शेयर का फायदा उठाना है तो आज निवेशकों को शेयर खरीदना होगा।

इससे पहले कंपनी 2011 में एक्स-बोनस ट्रेड किया था। तब अशोक लेलैंड लिमिटेड ने एक शेयर पर एक शेयर बोनस दिया था।

क्या है टारगेट प्राइस?

अशोक लेलैंड के शेयरों के प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट बुलिश हैं। ब्रोकरेज हाउस एंजल वन ने 295 रुपये का टारगेट प्राइस सेट किया है। ब्रोकरेज हाउस की तरफ से [illegible] रेटिंग दिया है।

शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन रहा है शानदार- अशोक लेलैंड के शेयरों का भाव बीते 3 महीने के दौरान 16 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, 6 महीने में कंपनी कंपनी के शेयरों की कीमतों में 21 प्रतिशत की तेजी आई है। हालांकि, एक साल में यह स्टॉक करीब 10 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है। जबकि इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 2.15 प्रतिशत की उछाल दर्ज की गई है। कंपनी का 52 वीक हाई 264.70 रुपये और 52 वीक लो लेवल 190.40 रुपये है।

ओलंपिक 2028

क्रिकेट का शेड्यूल आया सामने, 6 टीमें लेंगी हिस्सा, टी-20 फॉर्मेट में होगा मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक में अब क्रिकेट की वापसी तय हो गई है. इसका शेड्यूल भी सामने आ गया है. अमेरिका के लॉस एंजेलिस शहर में साल 2028 में होने वाले ओलंपिक मुकाबलों में क्रिकेट का मैच पोमोना शहर के फेयरग्राउंड्स स्टेडियम में खेला जाएगा. यह शहर लॉस एंजेलिस से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित है. यह मुकाबले 12 जुलाई से शुरू होंगे, जबकि मेडल मैच 20 और 29 जुलाई को खेले जाएंगे.पुरुषों और महिलाओं दोनों वर्गों में कुल 6-6 टीमें भाग लेंगी और कुल 180 खिलाड़ी ञ्20 प्रारूप में इस चार-वर्षीय महाकुंभ में हिस्सा लेंगे. क्रिकेट को इससे पहले केवल एक बार, 1900 में पेरिस ओलंपिक में शामिल किया गया था. आयोजकों द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार, 14 और 21 जुलाई को कोई मुकाबला नहीं होगा, जबकि अधिकतर दिनों में डबल हेडर (एक दिन में दो मैच) खेले जाएंगे.1900 में हुए पेरिस ओलंपिक में क्रिकेट केवल एक बार खेला गया था, जहां दो टीमें- ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस ने दो दिवसीय मैच खेला था. इस मैच में ग्रेट ब्रिटेन ने स्वर्ण पदक जीता था. पुरुषों और महिलाओं के वर्ग में कुल 90-90 खिलाड़ियों के कोटे दिए गए हैं, जिससे सभी 12 टीमें 15-15 सदस्यीय स्क्वाड घोषित कर सकेंगी.क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि अमेरिका के तीन स्थानों ग्रैंड प्रेयरी, लॉडरहिल और न्यूयॉर्क में 2024 टी20 वर्ल्ड कप के कई मुकाबले आयोजित किए गए, जिसे अमेरिका और वेस्टइंडीज ने संयुक्त रूप से होस्ट किया था.अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने क्रिकेट के साथ-साथ बेसबॉल/सॉफ्टबॉल, फ्लैग फुटबॉल, लैक्रोस (सिक्सेस) और स्क्वैश को 2028 खेलों में शामिल किए जाने वाले पांच नए खेलों के रूप में स्वीकृति दी है. लॉस एंजेलिस की मेयर कैरेन बास ने एक बयान में कहा, जब दुनिया इन खेलों के लिए यहां आएगी, तो हम ऐसा आयोजन करेंगे जो सभी के लिए हो और एक महान विरासत छोड़े.

114 वर्षीय एथलीट फौजा सिंह की सड़क दुर्घटना में मौत, पीएम मोदी ने जताया दुख

जालंधर, एजेंसी। जाने-माने मैराथन धावक फौजा सिंह की एक अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक घातक सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो गई। यह हादसा दोपहर में जालंधर के पास फौजा के गृहग्राम ब्यास पिंड में हुआ। वह 114 वर्ष के थे। उनकी मौत पर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुख प्रगट किया है। जानकारी के अनुसार 14 जुलाई दोपहर करीब 3ः30 बजे सड़क पार करते समय सिंह को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। बाद में एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उन्हें प्यार से टर्बन्ड टॉरनेडोकहा जाता था और उनका जन्म 1 अप्रैल, 1911 को जालंधर में हुआ था। फौजा ने 89 वर्ष की आयु में मैराथन दौड़ना शुरू करके वैश्विक ख्याति प्राप्त की। उन्होंने 100 वर्ष की आयु में 2011 टोरंटो वाटरफ्रंट मैराथन पूरी करके पूर्ण मैराथन पूरी करने वाले सबसे वृद्ध व्यक्ति होने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने कई आयु-वर्ग के रिकॉर्ड तोड़े और 101 वर्ष की आयु तक प्रतिस्पर्धात्मक रूप से दौड़ते रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फौजा सिंह की मौत पर एक्स पर लिखा, फौजा सिंह जी अपने अद्वितीय व्यक्तित्व और फिटनेस जैसे महत्वपूर्ण विषय पर भारत के युवाओं को प्रेरित करने के अपने तरीके के कारण असाधारण थे। वह अविश्वसनीय दृढ़ संकल्प वाले एक असाधारण एथलीट थे। उनके निधन से दुःख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और दुनिया भर में उनके अनगिनत प्रशंसकों के साथ हैं।

अक्टूबर में इक्वाडोर और ऑस्ट्रेलिया के साथ दोस्ताना मैच खेलेगा अमेरिका

अटलांटा, एजेंसी। अमेरिकी पुरुष फुटबॉल टीम (यूएसएमएनटी) अक्टूबर में इक्वाडोर और ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। यह दोनों टीमें वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर चुकी हैं। यह मैच फीफा वर्ल्ड कप-2026 की तैयारी के तहत खेले जाएंगे, जो अमेरिका में ही आयोजित होने वाला है। दुनिया की टॉप 25 टीमों में शामिल इन दोनों टीमों के खिलाफ होने वाले मैच अमेरिका की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम के लिए अहम मौके होंगे। यह मैच अमेरिका को वर्ल्ड कप की मजबूत टीमों से खेलने का मौका देंगे। इससे उन्हें यह समझने में मदद मिलेगी कि अगले साल वर्ल्ड कप में उन्हें किस तरह की टीमों और खेलने के तरीकों का सामना करना पड़ सकता है।

इक्वाडोर पांचवीं बार वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने जा रहा है। वह अर्जेंटीना और ब्राजील के साथ दक्षिण अमेरिका की उन तीन टीमों में शामिल है, जिन्होंने अब तक टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई कर लिया है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया ने एशियन फुटबॉल कन्फेडरेशन क्वालीफायर्स के तीसरे राउंड में अपने ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल करते हुए वर्ल्ड कप में जगह पक्की की है। ऑस्ट्रेलिया लगातार छठी बार वर्ल्ड कप में खेलेगा।

अमेरिका 10 अक्टूबर को टेक्सास स्थित ऑस्टिन के क्यू2 स्टेडियम में इक्वाडोर की मेजबानी करेगा। इक्वाडोर के खिलाफ यूएसए का रिकॉर्ड पांच जीत, पांच हार और इतने ही ड्रॉ का रहा है।

टेक्सास में खेले गए मुकाबलों में भी अमेरिका का इक्वाडोर के खिलाफ रिकॉर्ड बराबरी (1 जीत, 1 हार और 1 ड्रॉ) पर रहा है। यह मैच ह्यूस्टन, फोर्ट वर्थ और फ्रिस्को में खेले गए थे। चार दिन बाद, 14 अक्टूबर को यूएसए की टीम कोलोराडो के कॉमर्स सिटी में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगी। अमेरिकी टीम अब तक इतिहास में केवल तीन बार ऑस्ट्रेलिया से भिड़ी है। दोनों टीमें 1 जीत, 1 हार और 1 ड्रॉ के साथ बराबरी पर हैं। इन दोनों के बीच पिछला मुकाबला 5 जून 2010 को खेला गया था, जिसमें अमेरिका ने 3-1 से जीत दर्ज की थी। इस मुकाबले में एडसन बडल ने दो गोल किए थे, जबकि हरक्यूलिस गोमेज ने इंजरी टाइम में एक गोल दागकर जीत पक्की की थी। यह मैच रूडेपोर्ट, दक्षिण अफ्रीका में खेला गया था। दोनों टीमों ने अमेरिकी धरती पर दो बार एक-दूसरे का सामना किया है। यह मुकाबले अमेरिका के सितंबर में होने वाले दोस्ताना मैचों के बाद खेले जाएंगे। दोस्ताना मैच दक्षिण कोरिया और जापान के खिलाफ होंगे। इसी महीने की शुरुआत में अमेरिका को कोनकाकाफ गोल्ड कप के फाइनल में मेक्सिको के खिलाफ 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था।

कुंबले ने भारत की हार की तुलना चेन्नई में पाकिस्तान से हार से की

नई दिल्ली, एजेंसी। लॉर्ड्स में भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के रोमांचक अंत में, इंग्लैंड ने भारत को केवल 22 रनों से हरा दिया। जियोहॉटस्टार के विशेषज्ञ अनिल कुंबले और जोनाथन ट्रॉट ने अंतिम सत्र, जडेजा के वीरतापूर्ण प्रयास और दोनों टीमों के लिए इसके महत्व पर जानकारी दी। तीसरे टेस्ट के पांचवें दिन की समाप्ति के बाद 'मैच सेंटर लाइव पर बात करते हुए जियोहॉटस्टार विशेषज्ञ अनिल कुंबले ने भारत की हार और मैच के आखिरी पलों पर टिप्पणी की, 'मुझे एक टेस्ट मैच याद आ गया जहां भारत चेन्नई में पाकिस्तान से 12 रनों से हार गया था। वह भी कुछ इसी तरह का आउट था। सिर्फ 22 रन। जडेजा नाबाद रह गए-मतलब, उनकी योजना भारत को जीत के इतने करीब पहुंचाने की थी। लेकिन इंग्लैंड अपने काम पर डटा रहा। मुझे लगता है कि जोफ्रा आर्चर के पिछले ओवर ने मोहम्मद सिराज को जरूर परेशान किया होगा। ऐसा नहीं था कि वह गेंदबाज पर हमला करना चाहते थे, लेकिन एक बेतुके पॉइंट ने दबाव बढ़ा दिया। मुझे लगा कि यह ऐतिहासिक जीत हासिल करने का एक शानदार मौका था। लेकिन भारत के लिए यही होना चाहिए-22 रनों से हारने के बावजूद, कई सकारात्मक पहलू भी हैं। सीरीज के उत्साह पर प्रतिक्रिया देते हुए जियोहॉटस्टार विशेषज्ञ जोनाथन ट्रॉट ने कहा, 'एक बार फिर, मैच का फैसला बेहद कम अंतर से हुआ-22 रन से। हमने सिराज को सांत्वना देते देखा। हम यही देखना चाहते हैं। हमने पांच दिनों तक कड़ा मुकाबला देखा और फिर हर तरफ हाथ मिलाते हुए। किसी एक टीम को जीतना ही था, और इस बार इंग्लैंड था। अंतिम सत्र की तीव्रता के बारे में जोनाथन ट्रॉट ने कहा, 'यह बहुत तनावपूर्ण था-नाखून चबाने वाला। मुझे यकीन नहीं है कि मेरे पास कोई नाखून बचा है! खेल का अंत करने का यह निश्चित रूप से एक दुखद तरीका है, लेकिन किसी

को तो जीतना ही था। मुझे लगता है कि यह टेस्ट क्रिकेट के लिए बहुत अच्छा है-थोड़ा मसाला, मैदान पर थोड़ा रोमांच। जब तक टीमें मैदान के बाहर एक-दूसरे के साथ तालमेल बिठाती हैं और चौथे टेस्ट तक कोई तनाव नहीं रहता, हम ठीक हैं। वहां बहुत कड़ा मुकाबला खेला गया। मैं यह देखने के लिए उत्सुक हूँ कि कौन जीतता है।

रवींद्र जडेजा के प्रदर्शन और दृष्टिकोण पर कुंबले ने टिप्पणी की, 'उन्हें उन गेंदबाजों की पहचान करनी चाहिए थी जिन्हें वह निशाना बना सकते थे। जैसा कि मैंने कहा-क्रिस वोक्स, जो हवा में थोड़े धीमे हैं, और जो रूट या बशीर। हालांकि वे ऑफ-स्पिनर हैं, लेकिन ऐसा नहीं था कि गेंद सीधे घूम रही थी। जडेजा ने मुश्किल विकेटों पर मुश्किल गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ खेला है। आदर्श रूप से, अगर किसी को जोखिम उठाना ही था और आउट होना था, तो वह सिराज के बजाय जडेजा को होना चाहिए था।

कुंबले ने कहा, उन्होंने स्ट्राइक हासिल करने में अच्छा प्रदर्शन किया-खासकर बुमराह और सिराज के साथ। लेकिन बशीर को पूरा ओवर देना जोखिम भरा था। तभी वह उन पर हमला कर सकते थे। उन्होंने पूरे मैच में शानदार प्रदर्शन किया। वह जल्दी आए-दिन के छठे ओवर में-और नाबाद रहे। 82/7 के स्कोर के बाद सिर्फ बुमराह और सिराज के साथ स्कोर को दोगुना करना अविश्वसनीय है। बाकी बल्लेबाज निराश होंगे-उनके पास मौके थे। साथ ही, वे अतिरिक्त रन-पहली पारी में 32 और दोनों पारियों में लगभग 65-चर्चा का एक बड़ा मुद्दा होंगे। जडेजा की पारी पर जोनाथन ट्रॉट ने कहा, 'पीछे मुड़कर देखना एक खूबसूरत चीज है। मुझे लगता है कि जडेजा ने अविश्वसनीय रूप से अच्छा खेला। मुझे उनका जरूरत से ज्यादा विश्लेषण करने का कोई मतलब नहीं दिखता। उन्होंने खुद को और टीम को बेहतरीन तरीके से संभाला। उन्होंने संघर्ष किया, अच्छी तरह से बायीं ओर गेंद डाली, और थोड़ी किस्मत का भी साथ मिला। गेंद घूम रही थी, और हां, बशीर पर आक्रमण करने का प्रलोभन था। लेकिन अगर वह जोर लगाकर आउट हो जाते, तो हम कह रहे होते कि उन्होंने अपना विकेट फेंक दिया। मुझे लगता है कि उन्होंने बेहतरीन खेला। दूसरे बल्लेबाज शायद सोचेंगे और खुद से पूछेंगे-मैं जडेजा जैसा प्रदर्शन क्यों नहीं कर पाया जिससे हमें मौका मिल सके?

श्रृंखला के व्यापक संदर्भ को संक्षेप में प्रस्तुत करते हुए कुंबले ने कहा, 'यह टेस्ट क्रिकेट का एक शानदार प्रदर्शन है। तीनों टेस्ट मैच बेहद रोमांचक रहे हैं और दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन किया है। हां, स्कोरलाइन इंग्लैंड के पक्ष में 2-1 की है, लेकिन अगर आप सत्रवार प्रदर्शन देखें, तो यह बराबरी का रहा है। भारत को अगले दो टेस्ट मैचों से पहले आत्मविश्वास से भरपूर होना चाहिए। वे पहले टेस्ट में मिली हार से पहले ही वापसी कर चुके हैं। यह मैच मामूली अंतरों पर निर्भर था-जैसे लंच से पहले पंत का रन आउट होना, अतिरिक्त रन, और शायद जेमी स्मिथ और ब्रायडन कार्स को खुलकर रन बनाने देना। अगर भारत को श्रृंखला बराबर करनी है, तो उसे अगले मैच में इन महत्वपूर्ण क्षणों का फायदा उठाना होगा।

वेस्टइंडीज के नाम टेस्ट इतिहास का दूसरा न्यूनतम स्कोर, ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से जीती सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज की टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज का तीसरा मुकाबला 176 रन से गंवा बैठी। जमैका में मेजबान टीम को जीत के लिए महज 204 रन का टारगेट मिला था, जिसके जवाब में वेस्टइंडीज सिर्फ 27 रन पर ऑलआउट हो गई। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप कर लिया। यह टेस्ट इतिहास का दूसरा न्यूनतम स्कोर है। इससे पहले, मार्च 1955 में न्यूजीलैंड की टीम इंग्लैंड के खिलाफ 26 रन पर ढेर हो चुकी है। बात अगर वेस्टइंडीज की करें, तो इससे पहले यह टीम मार्च 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ सिर्फ 47 रन पर सिमट चुकी है।

वेस्टइंडीज की इस पारी में ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड ने हैट्रिक चटकाई। उन्होंने 14वें ओवर की शुरुआती तीन गेंदों पर जस्टिन ग्रीव्स, शमर जोसेफ और जोमेल वारिकन को अपना शिकार बनाया। इसी के साथ स्कॉट बोलैंड टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले 10वें ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी बन गए। वह पिंक बॉल टेस्ट में हैट्रिक लेने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज हैं। मुकाबले की बात करें, तो टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम महज 225 रन पर सिमट गई। इसके जवाब में वेस्टइंडीज अपनी पहली पारी में महज 143 रन ही बना सकी। ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी दूसरी पारी में महज 121 रन ही जुटा सकी। वेस्टइंडीज की ओर से इस पारी में शमर जोसेफ ने चार विकेट अपने नाम किए, जबकि अल्जारी जोसेफ को पांच विकेट हाथ लगे। सिर्फ 204 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम 27 रन ही बना सकी। इस पारी में जस्टिन ग्रीव्स दहाई का आंकड़ा छूने वाले इकलौते बल्लेबाज रहे। ऑस्ट्रेलिया की और से इस पारी में मिचेल स्टार्क ने 7.3 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें महज 9 रन देकर सर्वाधिक छह विकेट चटकाए। वहीं, स्कॉट बोलैंड ने दो ओवरों में महज दो रन देकर तीन शिकार किए। शेष एक विकेट जोश हेजलवुड के हाथ लगा।

लॉर्ड्स में गांगुली का शर्ट लहराने की यादों ने आर्चर को प्रेरित किया: स्टोक्स

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने खुलासा किया कि भारत की 2002 में इंग्लैंड पर ऐतिहासिक जीत के बाद सौरव गांगुली द्वारा लार्ड्स की बालकनी में शर्ट लहराने की घटना ने जोफ्रा आर्चर को तीसरे टेस्ट मैच में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया। गांगुली ने नेटवेस्ट ट्रॉफी एकदिवसीय टूर्नामेंट के फाइनल में भारत की जीत का जश्न मनाने के लिए अपनी शर्ट उतार दी थी और यह आज तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे नाटकीय क्षणों में से एक है। आर्चर ने तीसरे टेस्ट मैच के पांचवें और अंतिम दिन सोमवार को खतरनाक ऋषभ पंत को बोल्ड किया और इसके बाद वाशिंगटन सुंदर का अपनी ही गेंद पर शानदार कैच लिया। भारत इस मैच में 22 रन से हार गया था। स्टोक्स ने मैच के बाद कहा, 'मैंने आज सुबह उससे कहा, तुम्हें पता है कि आज क्या है।

पता है ना। उसने मुझसे कहा, तुम्हें पता है कि उस दिन भारत ने 300 से अधिक रन बनाकर जीत हासिल की थी और गांगुली ने शर्ट लहराई थी। उसे लग रहा था कि वह विश्व कप फाइनल था और इस घटना को आज छह साल हो गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि इंग्लैंड ने लॉर्ड्स में अपनी जीत उसी दिन दर्ज की जिस दिन उसने 2019 में एकदिवसीय विश्व कप फाइनल

में स्कोर बराबर रहने के बाद बाउंड्री काउंट-बैक के आधार पर न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत हासिल की थी। हालांकि, जब स्टोक्स ने आर्चर को छह साल पहले के उस महत्वपूर्ण दिन के बारे में याद दिलाया, तो तेज गेंदबाज को 17 साल पहले हुए गांगुली वाले पल की याद आ गई। स्टोक्स ने कहा, 'मैं उस दिन की बात कर रहा था जब हमने विश्व कप जीता था लेकिन वह कह रहा था, ओह, वो वाला। वह वाकई कमाल का लड़का है। छोटे लक्ष्य के सामने ऋषभ पंत का विकेट वास्तव में महत्वपूर्ण था। मुझे पूरा विश्वास था कि जोफ्रा आज कुछ ऐसा करने वाला है जिससे मैच में अंतर पैदा हो जाए।

चोट के बाद वापसी करने वाले स्टोक्स ने भारत पर दबाव बनाए रखने के लिए 9.2 ओवर और 10 ओवर का स्पैल पूरा किया। स्टोक्स ने कहा कि वह 23 जुलाई से मैनचेस्टर में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट के लिए फिट रहेंगे। उन्होंने कहा, 'मैं मैनचेस्टर में होने वाले टेस्ट मैच के लिए पूरी तरह से फिट रहूंगा। उस मैच से पहले हमें विश्राम करने का पर्याप्त मौका मिलेगा।स्टोक्स से खेल के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच हुई तीखी बहस और छींटाकशी के बारे में पूछा गया, लेकिन उन्होंने इस पर ज्यादा कुछ नहीं कहा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि इस तरह की बड़ी सीरीज़ में हमेशा ऐसा कोई न कोई पल जरूर आता है जब दोनों टीम के खिलाड़ी एक दूसरे से भिड़ेंगे।

सायना नेहवाल के बाद अब पहलवान दिव्या काकरान का तलाक, लिखा-भावुक संदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला पहलवान दिव्या काकरान ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट के जरिए अपने तलाक की जानकारी दी। इससे पहले सायना नेहवाल और परुपल्ली कश्यप के अलग होने की खबरें सामने आ चुकी हैं। भारतीय खेल जगत में रिश्तों के टूटने की खबरें लगातार सामने आती रही हैं। सायना नेहवाल और परुपल्ली कश्यप के बाद अब मशहूर महिला पहलवान दिव्या काकरान ने अपने तलाक की बात सार्वजनिक की हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक भावुक संदेश शेयर कर अपने मन की बात रखी। दिव्या काकरान ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टा पर एक भावुक संदेश लिखी स्टोरी शेयर की। इसमें उन्होंने लिखा-नमस्ते, जैसा कि आप जानते हैं, मैं दिव्या काकरान हूं। मैं आपसे कुछ निजी बातें साझा करना चाहती थी।

मैंने हाल ही में अपने पति सचिन प्रताप सिंह से तलाक लेने का फैसला किया है। यह मेरे जीवन के भावनात्मक रूप से सबसे कठिन अध्यायों में से एक रहा है। इसमें बहुत दर्द, आत्मचिंतन और खुद को छोड़ देने का अनुभव रहा है... लेकिन साथ ही स्पष्टता, विकास और शक्ति के ऐसे पल भी आए हैं जिनके बारे में मुझे पता भी नहीं था।

यह ऐसी बात नहीं है जिसे मैं आसानी से साझा करूं, लेकिन मुझे लगा कि आपको यह बात बतानी चाहिए क्योंकि आपका समर्थन, दूर से ही सही, मेरे लिए बहुत मायने रखता

है। मैं धीरे-धीरे ठीक हो रही हूँ और इस नई शुरुआत को पूरे सम्मान और उम्मीद के साथ अपनाना सीख रही हूं। उन्होंने आगे लिखा कभी-कभी ज़िंदगी ऐसा मोड़ ले लेती है जिसकी हमने कभी उम्मीद नहीं की थी, और मैं इस बारे में सच बोलने में विश्वास रखती हूं। मैं अभी भी ठीक हो रही हूं, अभी भी अपने पैर जमाने की कोशिश कर रही हूं, लेकिन मैं उन तरीकों से भी आगे बढ़ रही हूं जिनकी मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी।

मैं आपके समर्थन और खासकर अपने माता-पिता और परिवार की आभारी हूँ जो मेरे जीवन के हर फैसले में हमेशा मेरा साथ देते हैं। बता दें कि दिव्या ने ये संदेश अंग्रेजी में लिखा है।

कुछ दिन पहले ही सायना नेहवाल और परुपल्ली कश्यप के अलगाव की खबरें सामने आई थीं, जिससे उनके फैंस को झटका लगा था। अब दिव्या काकरान की पोस्ट ने एक बार फिर खेलप्रेमियों को भावुक कर दिया है।

व्यक्तिगत संघर्षों के बीच चमकता रहा दिव्या करियर

दिव्या काकरान ने कई बार मंचों पर महिला खिलाड़ियों के संघर्ष की बात उठाई है। निजी जीवन में आ रहे उतार-चढ़ाव के बावजूद उन्होंने एशियन गेम्स सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर भारत का नाम रोशन किया। वहीं अब उनके तलाक की खबरों ने खेल जगत में सनसनी फैला दी है।

डेब्यू से पहले पापा को दिखाती थी

प्रैक्टिस वीडियो, मिलती थी सलाहः शनाया कपूर

आं खों की गुस्ताखियां से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस शनाया कपूर ने बताया कि उनके माता-पिता संजय कपूर और महीप कपूर उनके सबसे सच्चे सलाहकार हैं।

इंटरव्यू में जब शनाया कपूर से पूछा गया कि उनके माता-पिता ने उनके डेब्यू पर क्या प्रतिक्रिया दी, तो उन्होंने बताया कि उनके पापा संजय कपूर हमेशा से उन्हें सही राय देने वाले इंसान हैं। जब वह अपनी फिल्म की तैयारी कर रही थीं, तो वह अपने प्रैक्टिस वीडियो पापा को दिखाती थीं। वीडियो देखने के बाद उन्होंने हर बार सीधी और साफ बात कही, जो चीज अच्छी लगी, उसकी तारीफ की, और जो सुधारने लायक थी, वो भी साफ-साफ बता दी। शनाया कपूर ने कहा, मेरे पापा मेरे सबसे सच्चे सलाहकार हैं। जब भी मैं अपनी एक्टिंग की तैयारी कर रही होती थी या कोई प्रैक्टिस वीडियो पापा को दिखाती, तो वह सीधी और सच्ची राय देते थे। कहां सुधार की जरूरत है और कौन-सी चीजें मैं और अच्छे से कर सकती हूं, वह सबकुछ बताते थे। मेरी मम्मी भी बिल्कुल साफ-साफ बात करती हैं। मेरे माता-पिता हमेशा ईमानदारी से फीडबैक देते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि फिल्म इंडस्ट्री बहुत सख्त है, यहां किसी को आसानी से जगह नहीं मिलती, इसके लिए मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने कहा, ये मौका जिंदगी में एक बार ही मिलता है और मैं बहुत खुशकिस्मत हूं कि मुझे यह मिला है। अब जब मुझे यह मौका मिला है, तो मैं चाहती हूं कि इसका पूरा फायदा उठाऊं। मुझे इस इंडस्ट्री में अपनी जगह खुद बनानी होगी और लोगों का प्यार और अपनापन भी खुद कमाना होगा। मेरे माता-पिता यह बात समझते हैं कि इसमें समय और बहुत मेहनत लगती है, इसलिए वे हमेशा मेरे और मेरे काम के प्रति ईमानदार रहते हैं। वे कभी-कभी कड़ी और सख्त बातें भी बोलते हैं, जो सुनना आसान नहीं होता। शनाया कपूर ने एक्टर होने की जिम्मेदारी के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, एक एक्टर होने के नाते, आपकी जिम्मेदारी दर्शकों के प्रति होती है और जब आप कैमरे के सामने होते हैं, तो आपको ईमानदारी से अपना बेस्ट देना होता है। ऐसा कुछ पाना आशीर्वाद की तरह होता है, क्योंकि जो काम आप कैमरे के सामने करते हैं, वह हमेशा के लिए रिकॉर्ड होता है। कई बार जब कोई सीन खत्म होता है, तो यह सोचकर अजीब और बहुत खास महसूस होता है कि जो मैंने अभी किया, वह हमेशा के लिए कैमरे में कैद हो गया है। उन्होंने आगे कहा कि इसी वजह से उनके माता-पिता हमेशा उनके साथ ईमानदार रहे हैं। एक्ट्रेस ने कहा, मैं उनके इस ईमानदार रवैये के लिए दिल से शुक्रगुजार हूं।

राम चरण की फिल्म 'पेद्दी' में शिव राजकुमार हुए शामिल

बुची बाबू सना के निर्देशन में बन रही बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म पेद्दी के निर्माताओं ने शनिवार को कन्नड़ सुपरस्टार शिव राजकुमार को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी है। इसके साथ ही फिल्म में उनके किरदार के नाम और लुक का खुलासा किया है। आपको बताते चलें कि पेद्दी में मुख्य भूमिका में राम चरण नजर आएंगे। पेद्दी के निर्माताओं ने अभिनेता को बर्थडे का खास तोहफा देते हुए उनके लुक को रिवील किया है। पेद्दी फिल्म के प्रोडक्शन हाउस वृद्धि सिनेमाज ने अपने एक्स अकाउंट पर अभिनेता के लुक को जारी करते हुए कैप्शन दिया, 'टीम 'पेद्दी' शिव राजकुमार को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं देती है। इसके साथ वह फिल्म में गौरनायडू के किरदार में बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी करेंगे।'

अब रोमांटिक फिल्मों के मौके कम मिलते हैं

अभिनेता आर. माधवन की हाल ही में रोमांटिक फिल्म आप जैसा कोई रिलीज हुई, जिसमें उन्होंने संस्कृत के टीचर श्रीरेणु त्रिपाठी का किरदार निभाया। माधवन ने बताया कि कैसे समय के साथ अब रोमांटिक फिल्मों में काम करने के अवसर कम होते जा रहे हैं। फिल्म के बारे में बात करते हुए माधवन ने बताया कि उन्हें इसमें क्या खास लगा।

उन्होंने कहा, मैंने इस फिल्म को इसलिए नहीं चुना कि मैं रोमांटिक फिल्मों में वापसी कर लूं, बल्कि इसलिए चुना क्योंकि इसकी कहानी दिलचस्प थी, मेरी उम्र के हिसाब से थी और आज के समय से जुड़ी थी। लव स्टोरी में अभिनय करने के बहुत कम मौके बचे हैं और ऐसे मौके और भी कम होते हैं जो सच्चे और असली लगें। फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ काम करने के बारे में उन्होंने कहा, फातिमा बेहद टैलेंटेड कलाकार हैं। वो बहुत ही प्यारी हैं, और मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। उन्हें जानने के लिए शूटिंग का समय सच में बहुत कम था। इससे पहले फातिमा सना शेख ने भी फिल्म में माधवन के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव साझा किया था। उन्होंने कहा था, मैं आर. माधवन की बहुत बड़ी फैन रही हूं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करने का मौका पाकर बेहद खुशी हो रही है। वह बहुत ही समझदार और होशियार हैं। मैंने सेट पर हर दिन उनसे कुछ नया सीखा है। आप जैसा कोई फिल्म में आर. माधवन और फातिमा सना शेख के अलावा, आयशा रजा, मनीष चौधरी और नमित दास भी अहम रोल में हैं। फिल्म की कहानी दो ऐसे लोगों की है, जो बिल्कुल अलग-अलग दुनिया से आए हैं। कहानी की शुरुआत होती है, जमशेदपुर के एक संस्कृत शिक्षक श्रीरेणु त्रिपाठी से, जो 42 की उम्र में भी अविवाहित हैं और खुद को समझदार और शांत स्वभाव का मानते हैं, लेकिन भीतर ही भीतर अकेलेपन से जूझ रहे हैं। इस अकेलेपन से बाहर निकलने के लिए वह एक ऑनलाइन चैटिंग ऐप का सहारा लेते हैं, जहां उनकी मुलाकात कोलकाता की एक आत्मनिर्भर और खुले विचारों वाली फ्रेंच टीचर मधु बोस से होती है। मधु का किरदार फातिमा सना शेख ने निभाया है।

मधु का जीवन श्रीरेणु से बिल्कुल अलग है, वह रिश्तों में कई बार टूटी है, लेकिन हर बार और मजबूत बनकर उभरी है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे अलग सामाजिक सोच और जीवनशैली के बावजूद दो इंसान एक-दूसरे के करीब आते हैं। दोनों की पसंद-नापसंद अलग होते हुए भी भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता है, उनके बीच की वैचारिक दूरियां उभरने लगती हैं। यही टकराव फिल्म को गहराई देता है।

सार्थक प्रतिनिधित्व पर जियोर्जिया एंड्रियानी ने की बात

हाल ही में अभिनेत्री जियोर्जिया एंड्रियानी ने सिनेमा में महिलाओं के चित्रण विशेष रूप से भारतीय फिल्मों के सदाबहार डांस नंबर्स को लेकर एक महत्वपूर्ण चर्चा की शुरुआत की है। अपने काम के प्रति विचारशील दृष्टिकोण के लिए जानी जाने वाली जियोर्जिया ने यह स्पष्ट किया कि नारीत्व का उत्सव मनाना और महिलाओं को केवल आकर्षण का साधन बनाना, दोनों में बुनियादी अंतर है। उनके विचारों ने यह उजागर किया कि फिल्म इंडस्ट्री किस तरह मनोरंजन और महिलाओं के प्रति सम्मानजनक प्रस्तुति के बीच संतुलन बना सकती है। डांस सीक्वेंस और सिनेमा में महिलाओं की भूमिका पर खुलकर बोलते हुए जियोर्जिया ने एक संतुलित और सूक्ष्म नजरिया पेश किया। जिसने इस मुद्दे की जटिलता को स्वीकार किया। उन्होंने बताया, एक सीन को किस सोच के साथ गढ़ा गया है और उसे कैसे जीवंत किया गया है, यही सबसे अहम होता है।

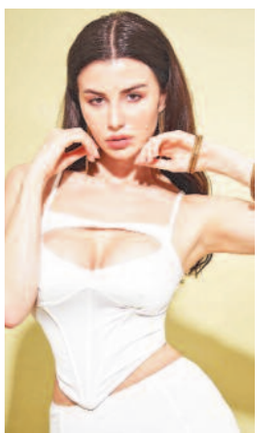

जब सही तरीके से किया जाए, तो डांस नंबर्स बेहद सशक्त हो सकते हैं और महिलाओं की खूबसूरती, आत्मविश्वास और ताकत का उत्सव बन सकते हैं। मैं ऐसे प्रोजेक्ट्स की ओर आकर्षित होती हूँ जो किसी महिला के केवल शारीरिक रूप-रंग के बजाय उसकी आंतरिक शक्ति और आत्मविश्वास को उजागर करते हैं। उनकी यह सोच इस बात पर ज़ोर देती है कि दर्शकों को स्क्रीन पर सिर्फ़ जो दिखता है, उससे आगे जाकर यह भी समझना ज़रूरी है कि उस रचनात्मक निर्णय के पीछे का उद्देश्य और संदेश क्या है। अभिनेत्री ने महिलाओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करते हुए कलात्मक अखंडता बनाए रखने वाली परियोजनाओं का हिस्सा बनने की अपनी प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया।

बिहाइंड द सीन्स राहु केतु के रिहर्सल में पुलकित सम्राट का रहस्यमय खुलासा?

बॉलीवुड अभिनेता पुलकित सम्राट ने अपनी आगामी फिल्म राहु केतु की डांस रिहर्सल से जुड़ी एक अनूठी झलक साझा कर एक बार फिर अपने अभिनय के प्रति गहरे समर्पण

को साबित किया है। इस बीटीएस (बिहाइंड द सीन्स) वीडियो में पुलकित एक बिल्कुल अलग अंदाज़ में नजर आ रहे हैं - ढीली पोल्का-डॉट धोती पैंट और स्लीवलेस काली टी-शर्ट में, उनकी हर हलचल में एक कच्ची, सच्ची और जोशीली ऊर्जा दिखती है, जो सीधे दिल को छूती है। इस वीडियो के साथ पुलकित ने एक बेहद दिल छू लेने वाला और रहस्यमय कैप्शन लिखा है, जिसने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। उन्होंने लिखा, रिहर्सल- वो अजीब सी जगह, जहां बुरे और बेहतरीन के बीच का फर्क धुंधला हो जाता है। यह वाक्य एक कलाकार की उस नाजुक और सच्ची अवस्था को दर्शाता है, जहाँ वे अपनी कला को निखारने के लिए खुद को पूरी तरह झोंक देते हैं। यह वह जगह है जहाँ खामियां दूर होती हैं और प्रतिभा चमकती है, जहाँ अभ्यास और सुधार एक-दूसरे में घुल-मिल जाते हैं।

पुलकित सम्राट, जो अपने हर किरदार में पूरी तरह डूब जाने के लिए जाने जाते हैं, उनका यह बयान याद दिलाता है कि किसी भी कला को निखारने के लिए की गई तैयारी केवल चमक-दमक या ग्लैमर से भरी नहीं होती। इसमें अथक पसीना बहाना, अनवरत संघर्ष और अपने आप को कला के प्रति पूरी तरह समर्पित कर देना शामिल होता है। यह एक कलाकार की आंतरिक यात्रा है, जहाँ वे अपनी सीमाओं को तोड़ते हैं और कुछ असाधारण बनाने के लिए जूझते हैं। यह खामोशी और एकाग्रता का एक अजीब मिश्रण है, जहाँ कलाकार अपने सबसे कच्चे रूप में होता है। उनकी आगामी फिल्म राहु केतु के नाम से ही द्वैत और आंतरिक संघर्ष जैसे गहरे विषयों की झलक मिलती है। पर्दे के पीछे पुलकित की यह गहन मेहनत पहले से ही लोगों की दिलचस्पी बढ़ा रही है कि वह इस फिल्म में किस तरह के जटिल किरदार को पर्दे पर जीवंत करेंगे। उनकी यह प्रतिबद्धता दर्शकों में फिल्म के प्रति उत्सुकता पैदा कर रही है।

फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी से जुड़े जैकी श्रॉफ

कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे अपकमिंग फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में एक साथ काम कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग जारी है। ऐसे में अब इस फिल्म से जाने माने अभिनेता जैकी श्रॉफ भी जुड़ गए हैं। इसकी जानकारी कार्तिक आर्यन ने खुद अपनी एक इंस्टाग्राम पोस्ट से दी है।

कार्तिक आर्यन ने शेयर किया वीडियो

कार्तिक आर्यन ने एक वीडियो के जरिए बताया है कि उनकी फिल्म में जैकी श्रॉफ की एंट्री हुई है। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर सेट से एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कार्तिक और जैकी एक गाने पर मजे कर रहे हैं। जैकी श्रॉफ ने टोपी और चश्मा लगाया है। वह दर्शकों को फ्लाइंग किस दे रहे हैं।

मेकर्स ने शेयर किया पहला लुक

इससे पहले फिल्म के निर्माताओं ने फिल्म के सेट से कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे का पहला लुक जारी किया था। पोस्टर में नजर आ रहा था कि दोनों ने अपने हाथ में पासपोर्ट लिया हुआ था और समुद्र के किनारे एक दूसरे को किस कर रहे थे। पोस्टर से लग रहा था कि यह फिल्म रोमांटिक होने वाली है।

फिल्म के बारे में

फिल्म तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी वैलेंटाइन डे के मौके पर 13 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसका निर्माण धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले किया गया है। इसकी कहानी अभी गुप्त रखी गई है। समीर विद्वांस द्वारा निर्देशित यह फिल्म, कार्तिक आर्यन और समीर विद्वांस की दूसरी फिल्म है। इससे पहले उन्होंने सत्यप्रेम की कथा में काम किया था।

कार्तिक और जैकी का काम

आने वाले महीनों में, कार्तिक फुकरे फेम निर्देशक मृगदीप सिंह लांबा द्वारा निर्देशित नागजिला में भी नजर आएंगे। नागजिला 14 अगस्त, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

दूसरी ओर, जैकी श्रॉफ जल्द ही अनुपम खेर द्वारा निर्देशित तन्वी द ग्रेट में नजर आएंगे। यह फिल्म 18 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ईशा कोप्पिकर ने साझा की मानसिक स्वास्थ्य और शोहरत के पीछे छुपे मानसिक दबाव की कहानी

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर, जिन्हें क्या कूल हैं हम, कृष्णा कॉटेज, एक विवाह ऐसा भी, शबरी और डॉन जैसी फिल्मों में उनके यादगार किरदारों के लिए जाना जाता है, हाल ही में मानसिक स्वास्थ्य की प्रमुख पक्षधर बनकर उभरी हैं। फिल्म इंडस्ट्री में अपने उतार-चढ़ाव भरे सफर से सबक लेते हुए, वह आत्म-मूल्य, इंटेंसिटी और भावनात्मक कल्याण को लेकर खुले संवाद को प्रोत्साहित कर रही हैं। एक ऐसी दुनिया में जहाँ चकाचौंध अक्सर गहरे निजी संघर्षों को छुपा देती है, उनकी ईमानदारी ताजगी भरी और बेहद ज़रूरी है। ईशा ने बताया, प्रसिद्धि दोधारी तलवार की तरह होती है। एक तरफ आपको सराहना और सफलता मिलती है, लेकिन दूसरी तरफ़, ऐसी उम्मीदों पर खरा उतरने का लगातार दबाव रहता है जो हमेशा वास्तविक नहीं होतीं। उन्होंने स्वीकार किया, आपसे उम्मीद की जाती है कि आप मुस्कराते रहें, चाहे अंदर से टूटे हुए हों।

लंबे समय तक मुझे यह नहीं पता था कि 'मैं ठीक नहीं हूँ' कहना भी एक विकल्प है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में और लोगों को यह सुनने की ज़रूरत है कि कभी-कभी खुद को थका हुआ या हारा हुआ महसूस करना भी इंसानी बात है – और यह ज़रूरी नहीं कि आप चुप रहकर सब कुछ सहें। लगातार परफॉर्म करने, हर समय परफेक्ट दिखने और प्रासंगिक बने रहने का दबाव मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालता है – फिर भी बहुत कम लोग इस बारे में खुलकर बात करते हैं। ईशा का यह कदम इन पुराने और हानिकारक सोचों को चुनौती दे रहा है जो भावनात्मक कमज़ोरी को कमजोरी समझते हैं। उनका यह सशक्त संदेश उन सभी लोगों के लिए है जो चुपचाप संघर्ष कर रहे हैं। आप जैसे हैं, वैसे ही पर्याप्त हैं।

यह एक साधारण सच है जिसे हम में से कई लोग भूल जाते हैं, खासकर उस दुनिया में जहाँ हर चीज़ को फ़िल्टर और परफेक्शन के नाम पर सजाया-संवारा जाता है। ईशा कोप्पिकर के ये ईमानदार विचार मनोरंजन जगत में सफलता, मजबूती और आत्म-देखभाल के प्रति नज़रिए को नया रूप देने में मदद कर रही हैं। ऐसे समय में जब सोशल मीडिया अक्सर असुरक्षा और अवास्तविक उम्मीदों को बढ़ावा देता है, उनका संदेश दिल को छू जाता है।

पवन कल्याण की हरि हर वीर मल्लु को सेंसर बोर्ड से मिली हरी झंडी

अभिनेता पवन कल्याण की फिल्म हरि हर वीर मल्लु का दर्शकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। यह फिल्म इसी महीने सिनेमाघरों में लगने वाली है। दर्शकों तक पहुंचने में इसे सिर्फ दस दिन शेष हैं। फिल्म को लेकर जबर्दस्त बज बना हुआ है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

इस फिल्म का 20 जुलाई को एक प्री-रिलीज कार्यक्रम भव्य स्तर पर होने वाला है। पवन कल्याण की इस फिल्म को लेकर सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि इंटरनेशनल स्तर पर क्रेज है। फिल्म की एडवांस बुकिंग संयुक्त राज्य अमेरिका में शुरू हो चुकी है। यह फिल्म तेलुगु, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी। फिल्म में एक्शन के साथ-साथ इमोशन और ड्रामा का तड़का है। यह फिल्म 24 जुलाई, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। बता दें कि फिल्म पहले मई में रिलीज होने वाली थी। फिर रिलीज डेट 25 जून तय हुई, मगर यह जून में रिलीज नहीं हो सकी।

सेंसर बोर्ड ने की फिल्म की तारीफ

तेलुगु 123 की रिपोर्ट के मुताबिक सेंसर बोर्ड ने कथित तौर पर इस फिल्म की मनोरंजक कहानी और भव्य दृश्यों की तारीफ की है। हरि हर वीर मल्लु का रनटाइम दो घंटे 42 मिनट है। इस अवधि में यह फिल्म दर्शकों को शानदार मनोरंजन का अनुभव देगी।

क्या है फिल्म की कहानी?

इस फिल्म का निर्देशन कृष जगरलामुदी और एएम ज्योति कृष्णा ने किया है। कहानी 17वीं सदी के मुगल काल में वीर मल्लु नाम के एक विद्रोही डाकू के जीवन पर आधारित है। पवन कल्याण फिल्म में लीड रोल कर रहे हैं। इसके अलावा बॉबी देओल, निधि अग्रवाल, वेनेला किशोर, सुनील, सत्यराज और पूजिता पोन्नदा जैसे कलाकार भी फिल्म में अहम भूमिकाएं निभा रहे हैं। फिल्म का संगीत एम.एम. कीरवानी ने दिया है।

साभार एजेंसी